PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 273 ● भिलाई, सोमवार 11 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कार और बाइक में भिड़ंत, तीन युवकों की मौके पर मौत

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र में आज दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खैरडीह गांव के पास कार और मोटरसाइकिल में हुई भिड़ंत में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान तरुण कुमार यादव पिता मिनेन्द्र यादव (20 वर्ष), राहुल सेवता पिता सावंत सेवता (20 वर्ष) दोनों सीरीभाठा निवासी और नरेंद्र भुआर्य पिता पुरषोत्तम भुआर्य (21 वर्ष) ग्राम मुड़खुसरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार दल्लीराजहरा से राजनांदगांव की ओर जा रही थी, जबकि बाइक सवार देवरी की तरफ से डौंडीलोहारा आ रहे थे। इसी दौरान खैरडीह गांव के पास दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

कुशीनगर ईंट भट्ठे पर दर्दनाक हादसा, गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत

कुशीनगर। सुबह कसया थाना क्षेत्र के ग्रामसभा मैनपुर के टोला दीनापट्टी स्थित एक ईंट भट्ठे पर ईंट के लिए मिट्टी निकाले गए गड्ढे में बरसात का पानी भरा था जिसमें चार मासूम बच्चे खेलते खेलते गड्ढे में गिर गए। जिसमें से एक बच्चा किसी तरह गड्ढे से निकलकर बाहर आया और परिजनों को सूचना दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंच परिजन सभी बच्चों को बाहर निकाले और सीएचसी कसया ले आए। जहां डॉक्टरों ने जांचोपरांत तीनो बच्चों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे दीनापट्टी गांव स्थित पंकज ईंट उद्योग भट्ठे पर छत्तीसगढ़ के मजदूर परिवार मजदूरी कर जीवकोपार्जन करते है। घटना के दिन सभी परिजन भट्ठे पर कार्य कर रहे थे वहीं उनके बच्चे अभय (3वर्ष) पुत्र पंचु निवासी फरहदा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, अनन्या (7) पुत्री लखन निवासी अकलतारा जिला जांजगीर चांपा बाना छत्तीसगढ़, अनुष्का (ढाई वर्ष) पुत्री सुखन निवासी फरहदा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक और बच्चे के साथ खेल रहे थे।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

शिवमोग्गा। कर्नाटक में भद्रावती कोर्ट ने पति की हत्या के मामले में एक महिला और उसके प्रेमी को मौत की सजा सुनाई है. आरोप यह था कि, महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की थी. कोर्ट की तरफ से आरोपियों को दोषी ठहराये जाने के उन दोनों को मौत की सजा सुनाई गई. पीड़ित शख्स शिवमोग्गा के भद्रावती में सुरगिनथोपी का रहने वाला था. उसकी पत्नी और उसका प्रेमी दोषी अपराधी है. खबर के मुताबिक, पति उसके रिश्ते में रुकावट डाल रहा था. ऐसे में पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर हत्या की योजना बनाई. आरोपी महिला और उसके प्रेमी ने ड्रग्स का इस्तेमाल करके महिला के पति को बेहोश कर दिया और फिर उसे गला घोंटकर मार डाला. इस अपराध को अंजाम देने में प्रेमी ने भी मदद की.

पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल

पीएम मोदी बोले-एक साल तक न करें सोने की खरीदी

हैदराबाद/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। साथ ही पीएम मोदी सोने की खरीद को लेकर भी लोगों से अपील करते हुए कहा कि घर में कोई भी फंक्शन हो, कोई भी कार्यक्रम हो हम एक साल तक सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए हमारी देश भक्ति हमें चुनौती दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा। पीएम मोदी ने कहा कि सोने और सोने के आभूषणों की खरीद पर देश की बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले युद्ध और राष्ट्रीय संकट के समय लोग देशहित में अपना सोना तक दान कर देते थे। अब दान की

जरूरत नहीं है, लेकिन देशहित में लोगों को एक साल तक सोना और सोने के गहने खरीदने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक ताकत और संसाधनों की रक्षा करना भी देशभक्ति का हिस्सा है। दुनिया भर में सप्लाई चेन का एक बड़ा संकट चल रहा है और यूक्रेन युद्ध ने इन वैश्विक मुश्किलों को और ज्यादा बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत सरकार पिछले 5-6 वर्षों से इस संकट से निपटने के लिए लगातार काम कर रही है। हमको ये तय करना होगा, घर में कोई भी फंक्शन हो, कोई भी कार्यक्रम हो हम एक साल तक सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए हमारी देश भक्ति हमें चुनौती दे रही है। आज पूरी दुनिया में खाद (फर्टिलाइजर) की एक बोरी लगभग 3000 रुपये में बिक रही है, लेकिन भारत सरकार अपने किसानों को वही खाद की बोरी 300 रुपये से भी कम कीमत में उपलब्ध करा रही है। कोरोना काल के दौरान देश ने वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग्स और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी जो व्यवस्थाएं विकसित की थीं, आज समय की मांग है कि देशहित में उन्हें फिर से शुरू किया जाए और प्राथमिकता दी जाए। मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए भारत को अपनी विदेशी मुद्रा को बचाने पर बहुत ज्यादा ध्यान देना होगा। दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं।

ऊर्जा के दूसरे विकल्पों पर तेजी से क्या काम कर रही सरकार?

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का काम तेजी से बढ़ाया गया है। सरकार पहले देश के हर घर तक एलपीजी पहुंचाने पर काम कर रही थी और अब पाइप गैस को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही सीएनजी आधारित व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन सभी प्रयासों की वजह से भारत दुनिया के बड़े ऊर्जा संकट का मजबूती से सामना कर पा रहा है।

मिडिल-ईस्ट में बहाल होगी शांति

ईरान ने सीजफायर पर अमेरिकी को दिया जवाब

दुबई। मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने सीजफायर को लेकर अमेरिका के प्रस्ताव पर अपना जवाब दे दिया है। यह जवाब पाकिस्तानी मध्यस्थों को भेजा गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस बातचीत का मुख्य फोकस स्थाई रूप से युद्ध को खत्म करने पर हो। ईरान की सरकारी टीवी ने बताया कि ईरान लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना चाहता है और शिपिंग की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। वॉशिंगटन के ताज़ा प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेने के एक समझौते की बात कही गई थी। हालांकि तेहरान फिलहाल परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर बाद में चर्चा करना चाहता है। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से ईरान के जवाब पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिलें - मंत्री टंक राम वर्मा।

एल्विश यादव को लॉरेंस की धमकी

फोन कर मांगे 10 करोड़ दी दो दिन की मोहलत...

गुरुग्राम/ एजेंसी

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव को 10 करोड़ रुपये की फिरौती की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें एक विदेशी व्हाट्सएप नंबर से दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को रणदीप मलिक बताया और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंध होने का दावा किया। पुलिस ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। यादव के परिवार ने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर उन्हें दो दिन के भीतर गोली मारने की धमकी दी गई है। यादव की शिकायत पर सेक्टर 56 पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने बताया कि उन्हें 5 मई को विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था, जिसका वह जवाब नहीं दे पाए। बाद में उन्हें उसी नंबर से धमकी भरा संदेश मिला। संदेश में रणदीप मलिक ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का करीबी बताया। उसने दो दिन में 10 करोड़ रुपये की मांग की और भुगतान न करने पर गोली मारने की धमकी दी।

यूपी में योगी मंत्रिमंडल का विस्तार

भूपेन्द्र चौधरी समेत 6 नेताओं ने ली मंत्री पद की शपथ.......

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए आज बड़ा दिन है। योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल का आज विस्तार हुआ है। इस विस्?तार के दौरान छह नए मंत्रियों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। जन भवन में राज्यपाल ने नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। इस विस्?तार में 8 नेताओं को जगह मिली है। ऐसा बताया जा रहा है कि कई मौजूदा मंत्रियों के विभागों को भी बदला जा सकता है। बता दें कि पार्टी के नेताओं का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक संतुलन को मजबूत करना बहुत जरूरी है।

इसी वजह से इस बार कैबिनेट विस्तार में नए चेहरों को जगह दी गई है। ऐसा माना जा रहा है कि इन नेताओं को शामिल कर भाजपा विपक्ष के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। भूपेंद्र सिंह चौधरी: बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख जाट चेहरों में से एक माने जाते हैं। भूपेंद्र चौधरी मुरादाबाद के ही रहने वाले हैं। लंबे समय से संघ और भाजपा में सक्रिय हैं। बता दें कि 2016 में पहली बार विधान परिषद सदस्य बने और अभी भी एमएलसी हैं। 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद पंचायती राज राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बने और 2019 में प्रमोट करके पंचायती राज का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। मनोज पांडे: ऊंचाहार विधानसभा सीट से विधायक हैं और 2012-17 तक सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे। वह 2022 में सपा के टिकट पर विधायक चुने गए।

दिल्ली-फरीदाबाद के बीच एमईएमयू रेल सेवा को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के अनुरोध पर केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और फरीदाबाद के बीच नई मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) रेल सेवा संचालित करने को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे दिल्ली और फरीदाबाद के बीच प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन रोजगार, शिक्षा, व्यापार और अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आते हैं।

असम में दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे हिमंत बिस्वा सरमा......

12 मई को लेंगे सीएम पद की शपथ,पीएम मोदी होंगे शामिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

असम में नए मुख्यमंत्री का चेहरा साफ हो गया है। विधायक दल की बैठक में हिमंत बिस्वा सरमा को एनडीए विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुना गया है। वह लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। 12 मई को हिमंत बिस्वा सरमा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मंत्री पद की शपथ लेंगे। गुवाहाटी में बीजेपी विधायक दल और एनडीए विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा बताया कि 12 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी

में एनडीए मंत्रिपरिषद शपथ लेगी। मैं असम की जनता से अनुरोध करता हूं कि वे भविष्य में भी हमें अपना आशीर्वाद देते रहें। जेपी नड्डा ने बताया कि भाजपा के 8 विधायकों ने हिमंत बिस्वा सरमा के नाम का प्रस्ताव रखा था। इससे पहले सुबह असम भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें नये नेता का चुनाव किया गया। विधायक दल की बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जेपी नड्डा और सह-पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने बताया कि गठबंधन के सहयोगी दलों- असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने भी सरमा का समर्थन किया। इस कारण वह सर्वसम्मति से राजग विधायक दल के नेता चुन लिये गए। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमारा लक्ष्य असम को आगे ले जाना और इसे देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक बनाना है। मैं असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

तमिलनाडु में टीवीके सरकार का हुआ आगाज

विजय थलापति समेत 9 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु में आज टीवीके पार्टी के प्रमुख सी. जोसेफ विजय राज्य के 9वें मुख्यमंत्री बने। उनके शपथ लेने के बाद अब तमिलनाडु में टीवीके सरकार की नई शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस प्रमुख नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में शपथ ग्रहण के इस खास मौके पर विजय के साथ 9 और विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। 60 साल बाद गैर-द्रविड़ सरकार का आगाज हुआ है। इस नई कैबिनेट में 6 मंत्री थलपति की पार्टी टीवीके से हैं जबकि 3 चेहरे कांग्रेस कोटे से शामिल किए गए हैं। टीवीके की ओर से के.ए. सेंगोट्टैयान, आधार अर्जुन और बुस्सी आनंद जैसे भरोसेमंद नामों को जिम्मेदारी दी गई है। इन 9 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में टीवीके के महासचिव और प्रवक्ता एन. आनंद ने मंत्री पद की शपथ ली। वे त्यागराज सीट से विधायक बनें। पुडुचेरी से एमएलए रह चुके है। टीवीके के प्रमुख रणनीतिकार आधव अर्जुन ने मंत्री पद की शपथ ली। वीकेसी के जनरल सेक्रेटरी रहे है। विल्लिवक्कम सीट से विधायक चुने गए है। पूर्व आईआरएस अधिकारी डॉ. के.जी. अरुणराज ने मंत्री पद की शपथ ली। तिरुचेंगोडे सीट से विधायक चुने गए है। एम.बी.बी.एस की पढ़ाई की है। के.ए. सेंगोट्टैयन ने मंत्री पद की शपथ ली। 5 दशक से अधिक का राजनीतिक अनुभव रहा है। यह 9वीं बार विधायक बने है। गोबीचेट्टिपालयम सीट से विधायक चुने गए है। लंबे समय तक

AIAMDK के साथ जुड़े रहे है। पी. वेंकटरमणन ने मंत्री पद की शपथ ली। वेंकटरमण साल 2000 से विजय थलापति के मैनेजर रहे है। मायलापुर सीट से विधायक चुने गए है। इन्होंने एम.कॉम., एम.बी..एल. की पढ़ाई की है। आर. निर्मलकुमार ने मंत्री पद की शपथ ली। थिरुपरंकुन्द्रम सीट से विधायक चुने गए है। यह इससे पहले AIADMK और बीजेपी में रहे है। तमिलनाडु में बीजेपी से सोशल मीडिया प्रमुख थे। तमिल एक्टर और डायरेक्टर राजमोहन ने मंत्री पद की शपथ ली। टीवीके के प्रचार सचिव रहे है। एग्मोर सीट से विधायक बने है। डॉ. टी.के. प्रभु, ने मंत्री पद की शपथ ली। यह पहली बार विधायक बने है। पेशे से डेंटिस्ट टी.के.प्रभु कराईकुडी सीट से विधायक चुने गए है। बीडीएस, एम.एससी.डी., एम.एससी., आईसीडीआई, एफआईसीओआई की पढ़ाई की है। एस. कीर्तना ने मंत्री पद की शपथ ली। शिवकाशी सीट से पहली महिला विधायक चुनी गई है। राजनीतिक सलाहकार रही है। स्टालिन के साथ काम कर चुकी है। इन्होंने एम.एससी. की पढ़ाई की है। लोकभवन में विजय ने तमिलनाडु राज्य के लिए मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने वाले 9 लोगों की एक सूची की सिफारिश की थी। जिसे तमिलनाडु के राज्यपाल ने इस अनुशंसा को स्वीकार किया था।

तमिलनाडु में 200 यूनिट फ्री बिजली सीएम विजय ने दिया तोहफा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफविजय रविवार को शपथ लेते ही एक्शन मोड में आ गए। सीएम विजय ने शपथ के बाद तुरंत अपनी सरकार के पहले बड़े फैसलों में से एक पर हस्ताक्षर कर दिए। उन्होंने तमिलनाडु में 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 'सिंगापेन' स्पेशल टास्क फोर्स बनाने का ऐलान कर दिया। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद, टीवीके प्रमुख विजय थलापति ने वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों की मौजूदगी यह कदम उठाया। उन्होंने इस दौरान सभी के सामने अहम सरकारी फाइलों पर दस्तखत किए, जो टीवीके सरकार के कल्याण और शासन के एजेंडे की शुरुआत का संकेत था। विजय के इस फैसले ने विपक्ष को अचंभे में डाल दिया।

CMYK

ऑपरेशन तलाश में दुर्ग पुलिस की बड़ी सफलता : 30 दिनों में 683 गुमशुदा लोगों और बच्चों को खोज निकाला..

उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा सम्मानित

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा चलाए गएविशेष अभियान -ऑपरेशन तलाश- में शानदार सफलता हासिल हुई है। अभियान के दौरान जिलेभर से गुम हुए 683 व्यक्तियों और बच्चों को सुरक्षित दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारी सम्मानित- विशेष अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने वाले थाना जामुल, स्मृति नगर चौकी और पुरानी भिलाई थाना की टीमों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सबसे अधिक गुमशुदाओं की दस्तयाबी करने वालों में - थाना जामुल 48, स्मृति नगर चौकी 48, थाना पुरानी भिलाई 46 शामिल रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए थाना प्रभारी जामुल रामेन्द्र सिंह, स्मृति नगर चौकी प्रभारी राजेश साहू तथा थाना प्रभारी पुरानी भिलाई अम्बर भारद्वाज को सम्मानित किया गया।

प्रदेशव्यापी अभियान में दुर्ग पुलिस अव्वल- पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ के निर्देश पर 1 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में -ऑपरेशन तलाश- चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य गुमशुदा बच्चों और व्यक्तियों की तलाश कर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाना था।

दुर्ग पुलिस ने अभियान के तहत विशेष टीमें गठित कर लगातार कार्रवाई की। तकनीकी सहायता, सूचना तंत्र और मैदानी स्तर पर लगातार प्रयासों के चलते जिले में बड़ी संख्या में गुमशुदाओं को खोजने में सफलता मिली। बेहतर प्रदर्शन के कारण दुर्ग पुलिस प्रदेश में अग्रणी रही।

पुलिस टीमों की रही अहम भूमिका- इस अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों और विशेष टीमों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। लगातार समन्वय और त्वरित कार्रवाई के चलते कई परिवारों को अपने परिजन वापस मिले।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गुमशुदा मामलों में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है, इसलिए तत्काल सूचना मिलने पर तेजी से कार्रवाई संभव हो पाती है।

एसएसपी विजय अग्रवाल की अपील- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों और परिजनों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। यदि किसी व्यक्ति या बच्चे के गुम होने की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते वैधानिक कार्रवाई कर सुरक्षित तलाश सुनिश्चित की जा सके।

सुशासन शिविर में टाउनशिप क्षेत्रके विभिन्न सड़कों पर अवैधानिक पार्किंग पर रोक लगाने की मांग

दल्लीराजहरा। हिन्दुस्तान स्टील एम्प्लाइज यूनियन (सीटू), दल्ली राजहरा के संगठन सचिव प्रकाश क्षत्रिय ने कलेक्टर जिला बालोद को 5 मई सुशासन तिहार शिविर, दल्ली राजहरा, में आवेदन दिया है जिसमें शहर के बीएसपी क्षेत्रों के टाउनशिप, विभिन्न सड़कों, ड्यूटी आने-जाने के मार्गों में भारी वाहन के अवैधानिक पार्किंग व आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की है। आवेदन में लिखा है कि सीटू यूनियन राजहरा का एक जिम्मेदार ट्रेड यूनियन है। यूनियन को माइंस के श्रमिकों से काफी लंबे समय से यह शिकायत मिल रही है कि बीएसपी टाउनशिप, श्रमवीर चौक से माइंस कार्यालय राजहरा तथा एम.व्ही.टी. रोड एवं दल्ली माइंस व झरनदल्ली जाने वाले रोड के दोनों किनारे में काफी संख्या में भारी वाहनों का अवैध पार्किंग से एवं ड्यूटी आने-जाने के समय भारी वाहनों के आवाजाही से काफी परेशानियां व सुरक्षा के लिए खतरा बना रहता है। आगे कहा गया है कि इस समस्या को सीटू यूनियन द्वारा कई बार बीएसपी माइंस प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन के समक्ष रखा जा चुका है किन्तु समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है। अतः कलेक्टर से आग्रह किया गया है कि इस समस्या पर तत्काल उचित कार्यवाही करने की कृपा करें ताकि भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना होने से रोका जा सके। पत्र की कॉपी उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष राजहरा,एसडीएम राजहरा एवं मुख्य महाप्रबंधक (खदान), आई.ओ.सी. राजहरा को भी सौंपा है।

नेशनल लोक अदालत में लंबित विभिन्न प्रकरणों का निराकरण

दल्लीराजहरा। व्यवहार न्यायालय खंडपीठ क्रमांक 8 में आयोजित नेशनल लोक अदालत में लंबे समय से लंबित विभिन्न प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर त्वरित निराकरण किया गया। लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय मिलने से लोगों ने संतोष व्यक्त किया। लोक अदालत में मोटर यान अधिनियम के 994 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 1 लाख 19 हजार 500 रुपए की राशि प्राप्त हुई। वहीं 4 आपराधिक प्रकरण एवं 1 घरेलू हिंसा प्रकरण का भी निराकरण किया गया। धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के 9 प्रकरणों में परिवादी एवं आरोपी के मध्य राजीनामा हुआ, जिसमें कुल 15 लाख 45 हजार 236 रुपए की राशि पर समझौता संपन्न हुआ। इसी प्रकार बैंक, जल, बिजली एवं बीएसएनएल/दूरसंचार विभाग से संबंधित कुल 12 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 7 लाख 85 हजार 462 रुपए की राशि का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत के माध्यम से वर्षों से लंबित मामलों के निराकरण से पक्षकारों को राहत मिली। साथ ही पति-पत्नी के पारिवारिक विवादों में भी समझौता कराकर आपसी सौहार्द स्थापित किया गया। कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी श्रद्धा सिंह श्रीवास्तव, सदस्यगण पवन गोयल एवं कु. रेशमा बानो उपस्थित रहे। वहीं कर्मचारीगण मनीष दर्रो, संजय चंद्राकर, राजपाल साहू, भूपेंद्र कुरेटी, विजय तुरकाने, गणेशंकर देशमुख, कमलेश्वरी गावरे एवं पंकज राणा सहित न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राहगीरों के लिए किया शीतलपेय व शरबत का वितरण

दल्लीराजहरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दल्लीराजहरा नगर द्वारा ज्येष्ठ माह की भीषण गर्मी को देखते हुए शीतलपेय शरबत एवं आम पना का वितरण कार्यक्रम न्यू मार्केट गुप्ता चौक में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर कार्यवाह मिथलेश साहू ने किया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य नगर के नागरिकों, राहगीरों एवं आसपास के ग्रामीणों को गर्मी से राहत प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को शीतल पेय वितरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. योगेश लालवानी, समर्थ लाखानी, प्रेम कुमार जैन, मिलाप सोनी, किशोर कराडे, रमेश जैन, गौरव, किशोर, सूरज सागर, तेजस साहू, रौनक साहू, जयप्रकाश परमार, नंदा पसीने, सुनीता भांडेकर, साक्षी खटवानी, गायत्री जैन, उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी नगर प्रचार प्रमुख राकेश देवांगन ने दी।

आवास निर्माण में लापरवाही, 60 हितग्राहियों को 15 दिन में कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम

बेमेतरा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) साजा ने सख्त रुख अपनाया है। हाल ही में आयोजित समीक्षा बैठक में उन 60 आवास हितग्राहियों की पेशी ली गई, जिन्होंने शासन से आवास निर्माण हेतु किश्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है अथवा कार्य अधूरा छोड़ दिया है।

बैठक के दौरान एसडीएम ने सभी संबंधित हितग्राहियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा दी गई राशि का उपयोग केवल आवास निर्माण के लिए किया जाना है।

हरदास पंचायत के हितग्राहियों ने लौटाई राशि

प्रशासन की सख्ती का असर अब जमीनी स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। ग्राम पंचायत हरदास के 5 ऐसे हितग्राही, जो व्यक्तिगत अथवा अन्य कारणों से आवास निर्माण कराने में असमर्थ हैं, उन्होंने स्वेच्छा से शासन को राशि वापस करने का निर्णय लिया है। इन हितग्राहियों द्वारा विभाग के समक्ष सहमति पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है। विशेष रूप से ग्राम हरदास के एक हितग्राही ने ईमानदारी का परिचय देते हुए शासन से प्राप्त राशि को सरकारी खाते में वापस जमा भी करा दिया है, जिसकी प्रशासन द्वारा सराहना की जा रही है।

योजना का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता

प्रशासन ने कहा कि उसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ वास्तविक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे तथा सरकारी राशि का सदुपयोग हो। अधिकारियों ने हितग्राहियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने आवास निर्माण कार्य पूर्ण करें, ताकि उन्हें योजना का पूरा लाभ मिल सके और किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में भी ऐसे मामलों की सतत समीक्षा और निगरानी जारी रखने की बात कही गई है।

निर्धारित समय सीमा में प्रगति नहीं होने पर होगी वसूली

प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि तय समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया अथवा प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, तो संबंधित हितग्राहियों के विरुद्ध नियमानुसार राशि वसूली की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए राजस्व विभाग की टीम को निगरानी एवं सत्यापन के निर्देश भी दिए गए हैं।एसडीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा राशि का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बोर्ड रिजल्ट में बड़ी गिरावट पर बालोद शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन, जिले में 8 प्राचार्य निलंबित, 14 की वेतन वृद्धि रोकी

10वीं-12वीं के कमजोर परिणामों पर कड़ी कार्रवाई

बालोद। जिले में बोर्ड परीक्षा परिणामों में आई भारी गिरावट को लेकर शिक्षा विभाग ने अब सख्त रुख अपना लिया है। हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा सत्र 2024-25 एवं 2025-26 की तुलनात्मक समीक्षा रिपोर्ट जारी करते हुए जिला शिक्षा विभाग बालोद ने कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के प्राचार्यों पर बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने परीक्षा परिणामों में अत्यधिक गिरावट पाए जाने पर 8 प्राचार्यों को निलंबित कर दिया है, जबकि 14 प्राचार्यों की वेतन वृद्धि रोक दी गई है। जारी रिपोर्ट के अनुसार कई स्कूलों में 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों में चिंताजनक गिरावट दर्ज की गई है। विभागीय समीक्षा में पाया गया कि कुछ विद्यालयों में लगातार शैक्षणिक गुणवत्ता कमजोर बनी हुई है, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। शिक्षा विभाग ने साफसंकेत दिए है कि भविष्य में भी लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और शिक्षकों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

इन 8 प्राचार्यों पर गिरी निलंबन की गाज

शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार डौंडीलोहारा ब्लॉक के पीएमश्री सेजेस डौंडीलोहारा के प्राचार्य दिलीप देवहरे, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरथुली के प्राचार्य धनाराम देशमुख, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नाहंदा की प्राचार्य सरोज साहू, गुरूर ब्लॉक के शासकीय हाईस्कूल सोहपुर के प्राचार्य बालसिंह मंडावी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भिरई के प्राचार्य पुरुषोत्तम कुमार साहू, गुंडरदेही ब्लॉक के शासकीय हाईस्कूल मोंगरी के प्राचार्य तुमन सिंह साहू, शासकीय हाईस्कूल देवरी/द की प्राचार्य निशा मून तथा डौंडी ब्लॉक के पीएमश्री सेजेस डौंडी के प्राचार्य को निलंबित किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक कक्षा 10वीं के परिणामों में कई विद्यालयों में 30 से 47 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। वहीं 12वीं बोर्ड के परिणाम भी कई स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में काफी कमजोर पाए गए।

14 प्राचार्यों की वेतन वृद्धि रोकी गई

कमजोर परीक्षा परिणाम और अपेक्षित सुधार नहीं मिलने पर विभाग ने 14 प्राचार्यों की वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई भी की है। इनमें बालोद ब्लॉक के शासकीय सेजेस लाटाबोड़ के प्राचार्य पोरोम कोसरिया, शासकीय हायर सेकेंडरी भे. नवागांव के प्राचार्य परदेशी राम सिन्हा, डौंडीलोहारा ब्लॉक के सेजेस अछोली के प्राचार्य रामजीलाल तारम, डौंडी ब्लॉक के शाउमावि भैंसबोड़ के प्राचार्य रामसेवक रायपुरिया, शाउमावि गुजरा की प्राचार्य लीना थॉमस, सेजेस नयाबाजार के प्राचार्य महेश कुमार गोरे, शासकीय हाईस्कूल मंगलतराई के प्राचार्य गुलशन कुमार बेरोकर, गुरूर ब्लॉक के सेजेस बोहरा के प्राचार्य नरेंद्र कुमार भारद्वाज, शासकीय हाईस्कूल बागतराई के प्राचार्य हलाल खोर राते, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक गुरूर के प्राचार्य तपेश गौतम, गुंडरदेही ब्लॉक के शाउमा शाला डोंगीतराई की प्राचार्य श्रीदेवी प्रमोद, शाउमा शाला डुंडेरा के प्राचार्य शिवकुमार साहू, शाउमा शाला चन्दनबिरही की प्राचार्य आर. श्रीलता तथा शाउमा शाला मोहंदीपाट की प्राचार्य बिमला एक्का शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुछ विद्यालयों में कक्षा 10वीं के परिणामों में 10 से 36 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं में 7 से 37 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है।

शिक्षा गुणवत्ता से समझौता नहीं : डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को शिक्षा गुणवत्ता सुधारने, नियमित कक्षाएं संचालित करने, कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन देने और परीक्षा पूर्व बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बोर्ड परीक्षा परिणामों की लगातार समीक्षा की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

10वीं में 2,520 परीक्षार्थी फेल, जिले की रैंकिंग गिरी

इस वर्ष कक्षा 10वीं में बालोद जिले का प्रदेश में 29वां और 12वीं में 30वां स्थान रहा। जिला शिक्षा विभाग के अनुसार सत्र 2025-26 में 10वीं में कुल 10,551 में से 125 अनुपस्थित रहे और 10,426 परीक्षार्थी शामिल हुए। इनमें 10,414 के परिणाम घोषित हुए, 6,867 उत्तीर्ण और 2,520 अनुत्तीर्ण रहे। कुल परिणाम 65.94 प्रतिशत रहा। वहीं 12वीं में कुल 8,782 में से 37 अनुपस्थित रहे और 8,745 परीक्षार्थी शामिल हुए। 8,741 के परिणाम घोषित हुए, जिनमें 6,800 उत्तीर्ण और 819 अनुत्तीर्ण रहे। 12वीं का कुल परिणाम 77.79 प्रतिशत दर्ज किया गया।

शिवनाथ नदी में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई में 5 ट्रैक्टर जब्त

डोंगरगांव नगर। कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर एसडीएम एवं तहसीलदार कमल किशोर साहू के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम सुखरी स्थित शिवनाथ नदी में माहभर से जारी अवैध रेत उत्खनन पर देर रात छापेमार कार्रवाई की। इस दौरान अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त 5 ट्रैक्टरों को जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि डोंगरगांव क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की लगातार शिकायतें आ रही थी। अर्जुनी समीप स्थित ग्राम सुखरी में शिवनाथ नदी के किनारे रात के अंधेरे में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। इस खेल में राजस्व अफसरों एवं रेत माफियाओं के मध्य तथाकथित सेटिंग की खबरें भी चर्चा में रही है। बहरहाल ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रेत परिवहन में लगे ट्रैक्टरों को रंगे हाथ पकड़ा गया है। एसडीएम श्रीकांत कोराम एवं तहसीलदार कमल किशोर साहू के अगुवाई में जब्त ट्रैक्टरों में क्र सीजी 08 एआर 2079 मालिक तामेश कुमार, सीजी 08 एआर 3453 मालिक चेतन लाल, सीजी 08 एयू 3537 मालिक उत्तम सहित दो अन्य बिना नंबर/सोल्ड ट्रैक्टर शामिल है, इनके मालिक भूषण कुमार एवं भोजराम बताए गए है। राजस्व अधिकारियों ने बताया कि सभी वाहनों को आवश्यक पंचनामा एवं दस्तावेजी कार्रवाई के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना डोंगरगांव में अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। उक्त कार्रवाई में नायब तहसीलदार सतपाल यादव, राजस्व निरीक्षक भारत सिंह सिवना तथा पटवारी योगेश सहारे ने सक्रिय भूमिका निभाई।

डीआईजी साहू ने डायल-112 सेवा, ईआरव्ही वाहन को हरी झंडी दिखा रवाना कर किया शुभारंभ

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने पुलिस कार्यालय बेमेतरा से डायल-112 सेवा ईआरव्ही वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर शुभारंभ किया गया। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने इस दौरान डायल-112 के माध्यम से प्राप्त होने वाले आपातकालीन कॉल पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रिस्पॉन्स टाइम पर विशेष ध्यान देने, घटनास्थल पर शीघ्र पहुंच सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही, ड्यूटी के दौरान सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया गया। एएसपी हरीश कुमार यादव ने आपातकालीन कॉल पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने, पीड़ितों को समय पर सहायता प्रदान करने तथा जनसुरक्षा से संबंधित मामलों में समन्वय एवं सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बेमेतरा में आज डायल-112 सेवा के सुदृढ़ क्रियान्वयन हेतु नई अत्याधुनिक वाहन की शुरुआत की गई है, जिनमें जीपीएस, वायरलेस, डिजिटल नेविगेशन एवं लाइव लोकेशन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अब बेमेतरा में डायल-112 सेवा संचालित होने पर आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सहायता मिल सकेगी। इस अवसर पर डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, मुख्यलिपिक उप निरीक्षक (अ) हरिओम विश्वकर्मा, स्टेनो संतोष सोनवानी, उप निरीक्षक (अ) प्रदीप देशमुख, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला एवं डायल-112 प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विष्णु सप्रे, आरक्षक राजेन्द्र जायसवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

माईनिंग अफसर बताकर ट्रांसपोर्टर से उगाही, आरोपी रेहाना बेगम, अरमान व रवि गिरफ्तार

पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई, स्विफ्ट कार जब्त

डोंगरगांव नगर। अवैध गतिविधियों एवं अवैध वसूली करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में डोंगरगांव पुलिस द्वारा फर्जी माईनिंग अधिकारी बनकर वसूली करने एक महिला सहित तीन आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा आधिकारिक ब्यौरे मुताबिक थाना डोंगरगांव में प्रार्थी रामसिंह राजपूत पिता डेरा सिंह राजपूत, निवासी ग्राम दर्री, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव, व्यवसाय ट्रांसपोर्टर द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई। प्रार्थी के मुताबिक ग्राम आमगांव स्थित किसान यशवंत साहू के खेत में जेसीबी एवं ट्रैक्टर के माध्यम से खेत मरम्मत एवं मिट्टी समतलीकरण का कार्य कर रहा था। कार्य के दौरान दोपहर लगभग 3 बजे स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 04 पीएन 1413 में तीन व्यक्ति रवि शर्मा, रेहाना बेगम एवं शेख अरमान मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने स्वयं को माईनिंग विभाग का अधिकारी बताते हुए प्रार्थी एवं उसके ड्राइवर तनुज कुमार को अवैध खनन करने का आरोप लगाकर धमकाया तथा कार्रवाई करने की धमकी देकर 10,000 हजार रुपये की मांग की। भयवश प्रार्थी द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से आरोपी के मोबाइल नंबर पर 6,000 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किया गया। घटना की सूचना प्राप्त होने पर थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए कुमरदा पेट्रोल पंप के पास उक्त स्विफ्ट वाहन में सवार तीनों संदिग्ध रवि शर्मा, रेहाना बेगम एवं शेख अरमान व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। पुलिस के द्वारा पूछताछ करने पर रेहाना बेगम द्वारा खुद को पत्रकार बताया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना डोंगरगांव में धारा 204 ,308 (2), 3(5) बीएनएस मे अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, एसआई पुष्पराज साहू, सउनि अनिल यादव यादव, आरक्षक हेमंत सुर्यवंशी, आरक्षक बीसराम वर्मा, महिला आरक्षक अभिलाषा सिंह, महिला आरक्षक राजकुमारी रत्नाकर ने भूमिका महत्वपूर्ण निभाई।

संक्षिप्त समाचार

सुशासन तिहार 2026: त्रिवेणी रात्रे का पक्के घर का सपना हुआ पूरा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत अकलतरा अंतर्गत ग्राम तिलई में आयोजित शिविर में ग्राम मुरलीडीह निवासी श्रीमती त्रिवेणी रात्रे को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के मकान की चाबी प्रदान की गई। वर्षों से पक्के घर का सपना देख रही त्रिवेणी रात्रे के लिए यह अवसर बेहद खुशी और संतोष लेकर आया।श्रीमती त्रिवेणी रात्रे ने बताया कि उनका परिवार पहले कच्चे मकान में निवास करता था, जहां बारिश के दौरान पानी टपकने और गर्मी के मौसम में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने से अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर रहा है।उन्होंने कहा कि पक्का घर मिलने से परिवार में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं। श्रीमती रात्रे ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों के लिए राहत और खुशियों का माध्यम बनकर सामने आया है तथा शासन की योजनाओं का लाभ अब सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है।

जशपुर में श्री नदी पर बनेगा उच्च स्तरीय पुल, तीन राज्यों की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले को एक और महत्वपूर्ण विकास परियोजना की सौगात मिली है। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट अंतर्गत कुनकुरी-तपकरा-लवाकेरा मार्ग पर श्री नदी में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य के लिए 9 करोड़ 45 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।यह मार्ग छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। उच्च स्तरीय पुल के निर्माण से तीनों राज्यों के बीच आवागमन अधिक सुरक्षित, सुगम और निर्बाध हो सकेगा। साथ ही व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।वर्तमान में इस मार्ग पर स्थित सकरा पुल बरसात के मौसम में बड़ी समस्या बन जाता था। जलस्तर बढ़ने पर आवागमन बाधित हो जाता था और ग्रामीणों एवं राहगीरों को जोखिम उठाकर यात्रा करनी पड़ती थी। लंबेसमय से क्षेत्रवासी उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग कर रहे थे। अब प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है।स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार सीमावर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए लगातार जनहितकारी कार्य कर रही है। पुल निर्माण से हजारों लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा मिलेगी।क्षेत्रवासियों का मानना है कि श्री नदी पर बनने वाला यह उच्च स्तरीय पुल जशपुर जिले के लिए विकास का नया द्वार साबित होगा तथा राज्य के दूरस्थ अंचलों को बेहतर संपर्क सुविधा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

माओवाद प्रभावित क्षेत्र पुजारी कांकेर में पहली बार लगा जनसमस्या महाशिविर

रायपुर। माओवाद प्रभावित और अत्यंत सुदूर ग्राम पंचायत पुजारी कांकेर में पहली बार प्रशासन का ऐसा व्यापक शिविर आयोजित हुआ, जहां कभी जनताना सरकार की जन-अदालत लगती थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन तिहार-2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने ग्रामीणों में नई उम्मीद जगाई।शिविर में पहली बार सभी विभागों का अमला एक साथ गांव पहुंचा, जिसे देखने और योजनाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा और बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। ग्रामीण पूरे समय शिविर में मौजूद रहे और स्थानीय भाषा में योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ उठाने के लिए आवेदन भी किए।इस शिविर में पुजारी कांकेर सहित मारुड़बाका, नेलाकांकेर, संकनपल्ली, तिम्मापुर, ईलमिड़ी, सेमलडोडी, लंकापल्ली, एंगपल्ली, गलगम, उसूर, आवापल्ली, चिंतागोंटा, मुरदंडा, चेरकडोडी, नुकनपाल, पुसगुड़ी और मुरकौनार ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए। शिविर में प्राप्त आवेदनों में से 29 का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों पर कार्यवाही जारी है।शिविर में ऋण, जल जीवन मिशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुष, कृषि, उद्यानिकी, वन, मत्स्य, विद्युत, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित सभी विभागों ने योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जानकी कोरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संकल्प का परिणाम है कि आज पुजारी कांकेर जैसे क्षेत्र में प्रशासनिक अमला पहुंचा है, जहां कभी माओवाद के भय से साप्ताहिक बाजार भी बंद हो जाते थे। अब ग्रामीण खुलकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के सामने रख रहे हैं।शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सहायक उपकरण, बैशाखी, वाकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र, मत्स्य जाल, आईस बॉक्स, मृदा परीक्षण प्रमाण पत्र सहित अन्य सामग्री वितरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती माताओं की गोदभराई और नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया।

अगले 3 दिन फिर बढ़ेगा तापमान, प्रदेश में मेघ गर्जन की गतिविधियों में कमी आने की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम ने अचानक करवट ली। प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ वज्रपात की गतिविधियां दर्ज की गईं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि कई इलाकों में मेघगर्जन और तेज हवा का प्रभाव देखने को मिला। मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर केंद्र के मुताबिक, अगले 3 दिन फिर बढ़ेगा तापमान, प्रदेश में मेघ गर्जन की गतिविधियों में कमी आने की संभावना हैं। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड हुआ।राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः 4.0 और 4.7 डिग्री कम रहा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत रायगढ़ जिले में 150 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

- सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता, सादगी और दहेज प्रथा के खिलाफसशक्त संदेश है : वित्त मंत्री चौधरी
- प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता, 35 हजार सीधे खातों में डीबीटी से अंतरित

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने शुक्रवार को रायगढ़ के पटेलपाली कृषि उपज मंडी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 150 नवदंपतियों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। आयोजन में सामाजिक समरसता, सादगी, संस्कार और पारिवारिक सौहार्द का भाव देखने को मिला। जिले में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के तहत रायगढ़ में 45, खरसिया विकासखंड में 15, बंजारी धाम खरसिया में 30, लैलूंगा विकासखंड में 30 तथा धरमजयगढ़ में 30 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। सभी आयोजन स्थलों पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आकर्षक एवं सुव्यवस्थित तैयारियां की गई थीं। विवाह मंडपों को पारंपरिक सजावट से सजाया गया था तथा वर-वधू एवं उनके परिजनों के लिए आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री

श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल विवाह संपन्न कराने की योजना नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, सादगी और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रभावी संदेश देते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शासन की प्राथमिकता है कि किसी भी परिवार को आर्थिक अभाव के कारण बेटी के विवाह में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। श्री चौधरी ने शासन की पारदर्शी व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसमें से 35 हजार रुपये सीधे हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से अंतरित किए जा रहे हैं, ताकि बिचौलियों की कोई भूमिका न रहे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि शेष राशि वर-वधू के परिधान, आवश्यक सामग्री एवं विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है। राज्य सरकार की यह पहल योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी रानी दुर्गावती योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बेटियों के सुरक्षित एवं सशक्त भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत बेटी के जन्म के बाद पंजीयन कराने पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर शासन की ओर से डेढ़ लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

सिंचाई परियोजनाओं में लाएं तेजी, भूअर्जन और क्लीयरेंस के कार्य शीघ्र करें पूरा.....

- छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न
- पैरी लिंक नहर और बस्तर की उद्वहन योजनाओं को मिली गति

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील ने राज्य में स्वीकृत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में गति लाने के सख्त निर्देश दिए हैं। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की कार्यकारिणी समिति की बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि भू-अर्जन और फारेस्ट क्लीयरेंस जैसी प्रक्रियाओं को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए ताकि परियोजनाओं का लाभ किसानों को जल्द मिल सके। पैरी-कोडार लिंक नहर (गरियाबंद) सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय तक पाइपलाइन लिंक नहर का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना से महानदी की सहायक पैरी नदी के अतिरिक्त जल का उपयोग पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक कार्यों के लिए होगा। इससे गरियाबंद और महासमुंद जिले के 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में नई सिंचाई सुविधा विकसित होगी। मोहमेला-सिरपुर बैराज (रायपुर)-आरंग

विकासखंड में महानदी पर प्रस्तावित इस बैराज से 1800 हेक्टेयर क्षेत्र में उद्वहन सिंचाई सुनिश्चित होगी। यह क्षेत्र में पर्यटन, नौका विहार और सुगम आवागमन को भी बढ़ावा देगा। मटनार बहुउद्देशीय परियोजना (बस्तर) इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित यह योजना बस्तर के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उद्वहन प्रणाली पर आधारित होने के कारण इसमें कोई विस्थापन या पुनर्वास की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी सुरक्षित रहेगी। देउरगांव उद्वहन बैराज (बस्तर) जगदलपुर के समीप इंद्रावती नदी पर बनने वाली यह परियोजना बस्तर के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के निविदा प्रारूपों पर विस्तार से चर्चा कर उन्हें अनुमोदित किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो, ऊर्जा सचिव श्री सारांश मित्तर, वित्त विभाग की विशेष सचिव श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा सहित विभिन्न परियोजनाओं के मुख्य अभियंता और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आरंग समाधान शिविर में 70 मामलों का मौके पर निराकरण

- मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सुनीं समस्याएं
- एक सप्ताह के भीतर लंबित आवेदनों के निराकरण के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 के तहत आरंग विकासखंड में जिला स्तरीय समाधान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रांगण में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने शुभारंभ किया और आमजनों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में कुल 593 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से 70 मामलों का तत्काल निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत वंदन कार्ड (02), आयुष्मान कार्ड (11), राशन कार्ड (05), और उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर (04) वितरित किए गए। साथ ही आय, जाति, निवास और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सरकार का मूल मंत्र अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा सुशासन तिहार के जरिए हम जनता के द्वार तक पहुंच रहे हैं। इससे ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत हो रही है। मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शेष आवेदनों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कहा कि यदि कोई आवेदक किसी योजना हेतु पात्र नहीं पाया जाता, तो उसे कारण सहित स्पष्ट जानकारी दी जाए ताकि कोई भ्रम न रहे। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रुअन्नप्राशनश् संस्कार का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री ध्रुव कुमार मिर्धा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, एसडीएम श्रीमती अभिलाषा पैंकरा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मानव सेवा ही रेडक्रॉस की असली पहचान-स्कूल शिक्षा मंत्री यादव...

- विश्व रेडक्रॉस दिवस पर उत्कृष्ट समाज सेवियों, कलेक्टरों और स्वयंसेवकों का हुआ सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आज रायपुर के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने सेवा और मानवता के क्षेत्र में सक्रिय रेडक्रॉस काउंसलरों और स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते

हुए कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित लोक नृत्य, चित्रकला और नाट्य प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मंत्री महोदय ने पुरस्कृत किया। प्रदेश के कुल 64 रेडक्रॉस वॉलिंटियर्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने समाजसेवियों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अंगदान, रक्तदान, नेत्रदान और देहदान जैसे पुनीत कार्यों के जरिए समाज में नई चेतना जागृत की है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की त्वरित सहायता करना और जरूरतमंदों तक सेवा पहुँचाना रेडक्रॉस परिवार की अद्भुत कार्यसंस्कृति को दर्शाता है। श्री रामसिंह अग्रवाल सदस्यता एवं समाज सेवा के लिए, श्री सूरज साहू रक्तदान के लिए, कमलेश निषाद सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए, पवन गांधी और आकांक्षा श्रीवास्तव नेत्रदान, नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के लिए सम्मानित किया गया।

नेताओं संग जनता ने गुरूदेव को किया भावुक नमन

रायपुर,। सुबह की पहली रोशनी जैसे ही रायपुर के टैगोर चौक पर पड़ी, वहां का माहौल अचानक बदल गया। फूलों की खुशबू, हाथों में मालाएं और आंखों में सम्मान लिए लोग एक-एक कर उस मूर्ति के सामने पहुंचने लगे, जिसने भारत को शब्दों की ऐसी ताकत दी जिसे दुनिया आज भी सलाम करती है। गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती पर राजधानी रायपुर का टैगोर चौक श्रद्धा और सम्मान का सबसे बड़ा केंद्र बन गया, जहां हर चेहरे पर आदर साफ दिखाई दे रहा था। सबसे पहले रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी पहुंचे और गुरूदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, फिर राजधानी की प्रथम नागरिक मोनल चौबे ने पूरे शहर की ओर से आदरांजलि अर्पित करते हुए माहौल को भावुक बना दिया।

कार्यभार संभालते ही जनसेवा में जुटे नव पदस्थ कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन

शिविर में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए जिनका विभागवार निराकरण किया

- विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची के साथ शिविर स्थल पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं और समाधान की ली जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के नव पदस्थ कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद दूरस्थ अंचल के ग्राम पंचायत बस्ती में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं और उनके निराकरण की जानकारी ली। शिविर में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका विभागवार निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. देवांगन ने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदन देने वाले ग्रामीणों एवं संबंधित अधिकारियों को मंच के समक्ष बुलाकर प्रत्येक प्रकरण की कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने को कहा, ताकि लोगों को पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन का अनुभव हो सके। कलेक्टर ने विशेष रूप से राजस्व विभाग से संबंधित मामलों ऋण पुस्तिका, पट्टा, वन अधिकार पत्र, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा सुधार और फौती नामांतरण जैसे प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। वन अधिकार

पत्र से जुड़े आवेदनों के निराकरण के लिए कलेक्टर ने राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम को आवेदकों के साथ सामूहिक बैठक आयोजित कर सही जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य विभागों के अधिकारियों से भी प्राप्त आवेदनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए सभी मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने और आगामी शिविर में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। कलेक्टर डॉ. देवांगन ने अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीणजन अपनी रोजी-रोटी छोड़कर भरोसे के साथ शिविरों में आते हैं, इसलिए उन्हें झूठा आश्वासन नहीं दिया जाना चाहिए। अधिकारियों को पात्रता, नियम एवं प्रक्रिया की सही जानकारी देते हुए आवेदकों का उचित मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन का विश्वास जीतना और समस्याओं का व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। शिविर के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत 8 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया तथा 9 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म संपन्न कर उन्हें पौष्टिक आहार से भरे थाल भेंट किए गए। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया। जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर संचालित योजनाओं, गतिविधियों एवं प्राप्त आवेदनों की जानकारी प्राप्त की।

संपादकीय

नफरती भाषणों पर कानून क्यों बेअसर? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उठे बड़े सवाल

हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं।पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश की राजनीति में लोगों के बीच नफरत फैलाने वाले बयानों या भड़काऊ भाषणों के जरिए सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिशें चिंता का कारण बनती रही हैं। ऐसे अनेक मौके सामने आए, जिनमें किसी नेता पर राजनीतिक स्वार्थ साधने या फायदा उठाने की मंशा से ऐसी बयानबाजियां करने या नारे लगाने के आरोप लगे, जिससे सामाजिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका पैदा हुई। मगर ऐसे नेताओं को जहां कानून के कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए था, वहां उनके प्रति पुलिस या शासन-तंत्र ने एक तरह से नरम रवैया अपनाया।शायद इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर बढ़ते नफरती भाषणों की समस्या से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। मगर इस मसले पर सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वर्तमान कानून का ढांचा लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या सार्वजनिक शांति को भंग करने वाली हरकतों से सक्षम तरीके से निपटता है। इसमें भारतीय दंड संहिता और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधान शामिल हैं।जाहिर है, मौजूदा कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है। मगर इससे इतर नफरती भाषणों के जरिए अगर लोगों के बीच विद्वेष फैलाने की कोशिश की जाती है, तो इसकी नए सिरे से व्याख्या करने और उसे कानूनी दायरे में लाने की जरूरत है। इस संदर्भ में अदालत ने स्पष्ट किया कि अपराध की व्याख्या या उसे परिभाषित करना और सजा तय करना पूरी तरह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में अदालत केवल सुधारों की जरूरत की ओर विधायिका और कार्यपालिका का ध्यान खींच सकती है।अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि नफरती भाषणों के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं की शिकायत कानून के अभाव में नहीं, बल्कि उसके लागू होने में कमी से पैदा होती है। ऐसी शिकायतें आम रही हैं कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई मामलों में पुलिस या तो आरोपों की अनदेखी करती है या फिर कमजोर धाराओं के तहत मामला दर्ज करती है। नतीजतन, जिन गतिविधियों की वजह से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, उसके विरुद्ध कानून लाचार नजर आता है।दरअसल, हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं। मगर ऐसे आपत्तिजनक भाषण देने वाले लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने को लेकर सरकारों के भीतर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इस तरह की प्रवृत्ति की अनदेखी करने या सुविधाजनक तरीके से कुछ नेताओं के नफरती भाषणों के प्रति आंखें मूंद लेने का नुकसान आखिरकार आम जनता और देश को उठाना पड़ेगा।शीर्ष अदालत ने भी इसी संदर्भ में कहा कि नफरती भाषण और अफवाह फैलाने से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षण से जुड़े हैं। कायदे से कुछ संवेदनशील स्थितियों के बावजूद अगर मौजूदा कानूनी प्रावधानों का दायरा सीमित है, तो यह केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे बदलते परिदृश्यों तथा चुनौतियों के मद्देनजर आगे किसी ठोस कानूनी उपाय की जरूरत पर विचार करें।

बोलने की भीड़ में खोती चुप्पी, आज मौन ही सबसे बड़ी समझदारी बन गया है

चुप्पी का यह रूप प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। उपनिषदों में कहा गया है कि सच्चा ज्ञानी मौन रहकर ही बोलता है। यहां चुप्पी लिहाज का प्रतीक बन जाती है। जब कोई अप्रिय बात कही जा रही हो, जब बहस तीखी हो रही हो, तब शब्दों की बौछार करने के बजाय चुप रहना ही बुद्धिमत्ता है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस राय को समर्थन देता है। कार्ल जंग ने कहा था कि मौन ही आत्मा की सबसे गहरी अभिव्यक्ति है। आज के दौर में, जहां 'ट्रोलिंग' यानी किसी व्यक्ति को नाहक परेशान करना और विवाद खड़े करना सोशल मीडिया पर आम हैं, यह उक्ति हमें याद दिलाती है कि लिहाज बनाए रखना कितना कठिन, लेकिन आवश्यक है।

(अविनाश जोशी)

जीवन की इस भागदौड़ भरी दुनिया में शब्दों का बोलबाला है। सामान्य भागीदारी वाली बातचीत की सहजता के बजाय हर कोई अपनी बात कहने, अपनी राय थोपने और बहस में उतरने को आतुर रहता है। सोशल मीडिया के इस युग में चुप रहना एक अपराध-सा लगता है, मानो मौन वाक्यहीनता का प्रतीक बन गया हो। मगर क्या वास्तव में चुप्पी का अर्थ शब्दों की कमी है? गहराई से विचार करें, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक पुरानी कहावत है- 'चुप हूं तो मतलब ये नहीं कि लफ्ज कम हैं/ चुप हूं बस इसलिए कि लिहाज बाकी है।' यह पंक्ति न केवल व्यक्तिगत संयम की गहराई दर्शाती है, बल्कि मानवीय संबंधों में सम्मान, धैर्य और समझदारी की महत्ता को भी रेखांकित करती है। चुप्पी कभी दुर्बलता नहीं रही, बल्कि यह सबसे मजबूत प्रतिक्रिया होती है। खासतौर पर जब शब्दों से अधिक लिहाज की जरूरत महसूस हो।

चुप्पी का यह रूप प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। उपनिषदों में कहा गया है कि सच्चा ज्ञानी मौन रहकर ही बोलता है। यहां चुप्पी लिहाज का प्रतीक बन जाती है। जब कोई अप्रिय बात कही जा रही हो, जब बहस तीखी हो रही हो, तब शब्दों की बौछार करने के बजाय चुप रहना ही बुद्धिमत्ता है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस राय को समर्थन देता है। कार्ल जंग ने कहा था कि मौन ही आत्मा की सबसे गहरी अभिव्यक्ति है। आज के दौर में, जहां 'ट्रोलिंग' यानी किसी व्यक्ति को नाहक परेशान करना और विवाद खड़े करना सोशल मीडिया पर आम हैं, यह उक्ति हमें याद दिलाती है कि लिहाज बनाए रखना कितना कठिन, लेकिन आवश्यक है।

संबंधों में चुप्पी के लिहाज पर गौर किया जा सकता है। परिवार में पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी नोकझोंक हो, तो झगड़ा बढ़ाने के बजाय चुप रहना ही समझदारी है। माता-पिता बच्चों की जिद पर गुस्सा न होकर मौन धारण करते हैं, क्योंकि उनका लिहाज बच्चों के भावनाओं के प्रति है। दोस्ती में भी यही लागू होता है। जब मित्र गलती पर अड़ जाए, तो तीखे शब्दों से उसे नीचा दिखाने के बजाय चुप रहकर समय देने से रिश्ता मजबूत होता है।

समाज में भी यह सत्य प्रकट होता है। राजनेता, नेता या सामाजिक कार्यकर्ता जब विवादास्पद मुद्दों पर चुप रहते हैं, तो लोग इसे कमजोरी समझते हैं। मगर सच्चाई यह है कि लिहाज बनाए रखने के लिए चुप्पी जरूरी होती है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी की संवेदनशीलता को एक उदाहरण माना जा सकता है। सांप्रदायिक दंगों के समय विरोधस्वरूप या उसे खत्म करने के उद्देश्य से वे मौन व्रत में चले जाते थे। उनका लिहाज राष्ट्र के प्रति था और मानवता की रक्षा उनका पहला ध्येय था। आजादी की लड़ाई में भी जब ब्रिटिश अत्याचार चरम पर था, गांधीजी ने कई बार चुप्पी को हथियार बनाया। इसी तरह, राजस्थान की लोक संस्कृति में 'मौन व्रत' की परंपरा है। राजस्थानी समाज में बुजुर्ग अक्सर कहते हैं, 'चुप रहो, तो सम्मान बढ़ता है।'

जो व्यक्ति चुप रहकर सुनता है, वही सच्चा नेतृत्व दे पाता है: कार्यस्थल पर चुप्पी का महत्त्व और भी स्पष्ट है। कॉरपोरेट दुनिया में, जहां प्रतिस्पर्धा तीव्र है, बैठक में हर कोई अपनी बात थोपता है, लेकिन जो व्यक्ति चुप रहकर सुनता है, वही सच्चा नेतृत्व दे पाता है। अधिकारी को गलत नीति पर तुरंत विरोध करने वाले कर्मचारी जल्दी बाहर हो जाते हैं, जबकि चुप रहकर सही समय पर सुझाव देने वाले तरक्की पाते हैं। यह लिहाज है अपने पद, टीम और संगठन के प्रति। 'हावर्ड बिजनेस रिव्यू' के एक अध्ययन में पाया गया कि सक्रिय श्रोता प्रबंधक चालीस फीसद अधिक सफल होते हैं। चुप्पी यहां रणनीति बन जाती है।

साहित्य और कला में चुप्पी को लिहाज की ऊंचाई के रूप में चित्रित किया गया है। कबीर ने कहा है- 'मौनू बानी सब बानी से भली।' उनके दोहे चुप्पी की ताकत पर आधारित हैं। प्रेमचंद की कहानियों में गांव के गरीब किसान चुप रहकर अन्याय सहते हैं, क्योंकि उनका लिहाज समाज के प्रति है। मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत होती है कि समाज के प्रति लिहाज तभी न्यायपूर्ण हो सकती है, जब अन्याय के विरुद्ध चुप रहने के हालात अनंत न हो। राजस्थानी लोकगीतों में भी 'मौन प्रेमी' की कहानियां भरी पड़ी हैं, जहां नायक चुप रहकर अपनी भावनाएं व्यक्त करता है। चित्रकला में भी मौन का चित्रण होता है।

फिर भी, चुप्पी की सीमाएं हैं। हर स्थिति में मौन उचित नहीं। जब अन्याय हो, जब निर्दोष पर अत्याचार हो, तब चुप्पी कायरता बन जाती है। मार्टिन लूथर किंग ने कहा था कि अत्याचार के खिलाफ चुप रहना अपने आप में अत्याचार है। इसलिए चुप्पी का चयन बुद्धिपूर्वक और विवेक के साथ करना चाहिए। लिहाज का अर्थ आंखें बंद करना नहीं, बल्कि सही समय का इंतजार है। योग में 'मौन चिंतन' सिखाया जाता है कि चुप रहकर अंतर्मन से संवाद करो। इससे निर्णय शुद्ध होते हैं।

हालांकि आज के डिजिटल युग में चुप्पी चुनना और भी कठिन है। व्हाट्सएप समूह, फेसबुक बहसों में तुरंत जवाब देने का दबाव रहता है, लेकिन जो व्यक्ति सब पढ़ कर भी चुप रहता है, वही परिपक्व है। दरअसल, चुप्पी से हम अपने आपको, संबंधों को और समाज को संभालते हैं। यह न केवल व्यक्तिगत विकास का साधन है, बल्कि सामाजिक शांति का आधार भी। यानी जब बहस छिड़े, तो सोचने की जरूरत है कि क्या शब्द जरूरी हैं, या चुप्पी का लिहाज ही काफी है! यह चुनाव ही जीवन को समृद्ध बनाता है।

पश्चिम बंगाल में भय की हार भरोसे की जीत

कृष्णमोहन झा

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रचंड लहर में ममता बनर्जी का किला ढह चुका है।भारतीय जनता पार्टी (पूर्ववर्ती जनसंघ) के संस्थापक स्व.डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृहराज्य पश्चिम बंगाल के विधान सभा चुनावों में भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल करके इतिहास रच दिया है।पश्चिम बंगाल विधानसभा के अभूतपूर्व चुनावों के अब तक घोषित नतीजों से भाजपा को जो अभूतपूर्व खुशी हो रही होगी उसे समझना कठिन नहीं है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के इन चुनावों को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था इसलिए भाजपा शासित 19 राज्यों के मुख्यमंत्रियों,सैकड़ों पार्टी पदाधिकारियों और हजारों ,कार्यकर्ताओं की फौज ने पार्टी को पश्चिम बंगाल में पहली बार सत्ता की दहलीज तक पहुँचाने के लिए रात दिन एक कर दिये थे। राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वयं ही पार्टी के चुनाव अभियान की बागडोर संभाल रखी थी।देश के किसी राज्य में चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपद्रवी तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए चप्पे चप्पे पर सुरक्षा बलों की इतनी बड़ी संख्या में तैनाती भी संभवतःपहले कभी नहीं की गई होगी। कहने का तात्पर्य यह कि इतनी ऐहतियात बरतने के बाद राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनने में संशय की कहीं कोई गुंजाइश ही नहीं बची थी।राज्य में दूसरे और अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के तत्काल बाद जब 8 में से 6 एजेंसियों ने अपने एक्जिट पोल में भाजपा को बहुमत मिलने की भविष्यवाणी कर दी तब अनेक राजनीतिक विश्लेषकों ने भी उसे अतिशयोक्ति मान कर यह राय व्यक्त की थी कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी का ऐसा पराभव संभव नहीं है लेकिन चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया है कि ममता बनर्जी अपनी सरकार के विरुद्ध जनता में तेजी से बढ़ते असंतोष का अंदाज़ा लगाने में चूक गईं।ममता बनर्जी राज्य में गत डेढ़ दशकों से सत्तारूढ़ अपनी पार्टीतृणमूल कांग्रेस की शोचनीय पराजय के लिए भले ही एस आई आर को जिम्मेदार ठहराएं लेकिन इस कड़वी हकीकत से उन्हें मुंह नहीं मोड़ना चाहिए कि पिछले पांच सालों में चरम पर पहुंची एंटी इंकम्बेंसी ने उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर का दरवाजा दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ममता बनर्जी को पूरी विनम्रता के साथ अब यह स्वीकार करने का साहस दिखाना चाहिए कि गत पांच सालों में उजागर हुए भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों और नेताओं की संलिप्तता , संदेश खाली में महिलाओं के शारीरिक शोषण के आरोप, आरजीकर मेडिकल कालेज में महिला डाक्टर की बलात्कार के बाद हत्या सहित राज्य के विभिन्न भागों में महिला उत्पीड़न की घटनाएं, तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की निरंकुशता और युवाओं की बढ़ती बेरोजगारी जैसे कारकों ने उनके पांव के नीचे की जमीन छीन ली।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के इन चुनावों में जब 92 प्रतिशत से अधिक का रिकार्ड मतदान हुआ उसी समय यह संकेत मिल गये थे कि इस बार मतदाताओं ने निर्भय होकर मतदान किया जिसका श्रेय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जाता है जिन्होंने राज्य में एक पखवाड़े से अधिक समय तक मौजूद रहकर मतदाताओं के मन में बैठे उस डर को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मतदान की तारीख के पहले से ही बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती ने मतदाताओं के मन में यह भरोसा जगाया कि अब उन्हें तृणमूल कांग्रेस के निरंकुश कार्यकर्ताओं से डरने की आवश्यकता नहीं है। इतना ही नहीं,केंद्रीय गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल की जनता को आश्वस्त कर दिया था कि चुनाव परिमाणों की घोषणा के बाद भी केंद्रीय सुरक्षा बलों को एकदम वहां से नहीं हटाया जाएगा। गौर तलब है कि गत विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक वर्ग पर राज्य के उन क्षेत्रों में हिंसक गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप लगे थे जहां तृणमूल कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था।इन चुनावों में भाजपा ममता बनर्जी की मुस्लिमतुष्टीकरण की नीति पर निशाना साधकर जिस तरह हिन्दू मतदाताओं को एकजुट करने में सफल हुई उसने भी भाजपा की प्रचंड जीत का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण योगदान किया। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रणनीतिक कौशल, पार्टी नेताओं और जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और राज्य में भय के माहौल की समाप्ति ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के उस सुनहरे स्वप्न को साकार कर नया इतिहास रच दिया है जिसे कल तक नामुमकिन मानने वालों की कमी नहीं थी।आज घोषित चुनाव परिणामों ने उन्हें स्तब्ध कर दिया है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

मांगूंगी तो माँ नहीं रहूंगी?

माँ... मैं एक माँ हूँ। कैसे कह सकती हूँ कि मुझे कुछ चाहिए?
क्यों मुझे कभी कुछ नहीं चाहिए होता...
सिर्फ बच्चों की खुशी के अलावा?

दर्द, भूख, प्यास मुझे भी तो लगती है। स्त्री घर की धुरी है, तो उसकी महत्ता अपेक्षित क्यों? मुझे कहते हुए डर क्यों लगता है कि माँ को भी कभी कुछ चाहिए होता है? ये कहते ही अपराधबोध और हीनता मुझमें कहाँ से आई? ये डर किसने और कब भरा मुझमें?

क्या सच में माँ को कुछ नहीं चाहिए होता?

प्रकृति जन्म देती है, तो स्त्री भी जन्म देती है। पर प्रकृति तो छीन भी लेती है... और माँ से माँगने तक का अधिकार छीन लिया गया। उसे समर्पण, त्याग की मूरत बनाकर देवी बना दिया गया। फिर देवी कुछ माँग कैसे सकती है? वो इंसान जो बन जाएगी।

इस डर को 'गिल्ट' बनाकर समाज ने स्त्री के जेहन में गहराई से भर दिया।

माँ अपना अस्तित्व भूल गई और सिर्फ 'माँ' बनकर रह गई। उसे समझा दिया गया कि जिस दिन वह अपने लिए सोचेगी, उस दिन स्वार्थी कहलाएगी। माँ को इतने ऊँचे पद पर बैठा दिया गया जहाँ से वह खुद को देख ही नहीं पाती।

माँ एक जिम्मेदारी है... इस संसार को सही सोच देने की। माँ सिर्फ एक शब्द नहीं... सोच है। माँ के कर्तव्य के साथ अधिकार होते हैं, ये सिखाने की जिम्मेदारी भी तो माँ की ही है। फिर 'अधिकार' कहते ही गिल्ट क्यों?

त्याग, समर्पण, ममता, स्त्रीत्व से सीमित नहीं... उसकी एक असीमित दुनिया होती है। उसकी असीमितता का बोध किसने छीन लिया उससे? इन बातों का कभी उत्तर ही नहीं मिला।

खुद को लुटाते-लुटाते वो ममता से खाली नहीं होती, पर तड़पती रहती है प्यार और अपनेपन के लिए। उसके पास इतना खजाना कहाँ से आता है जो कभी खत्म ही नहीं होता? और ना कभी थकती है वो... लुटाते-लुटाते।

माँ ऐसी क्यों होती है... पूरी दुनिया से अलग?

क्योंकि ममता साँस होती है, और साँस लेने से कोई थकता नहीं। दुनिया से अलग इसलिए है क्योंकि दुनिया हिसाब माँगती है... और माँ बेहिसाब है। क्योंकि जिस दिन वो माँ बनती है, उस दिन से वो सिर्फ 'माँ' ही बचती है।

माँ के प्यार पर कभी जिरह नहीं होती... क्योंकि माँ हर स्पंदन का सबूत होती है। माँ पर बुरा लिखना... किसी कलम के बस की बात नहीं।

माँ इंसान है... तो उसमें इतनी हिम्मत कहाँ से आती है?
और भगवान है... तो वो रोती क्यों है?

वो क्यों कभी खुद के लिए जीना नहीं चाहती? क्यों अपनी खुशियों को त्यागती रहती है? एक माँ में हीन भावना किसने भरी? किस कूटनीति के तहत भरी? हर व्यक्ति का दिल इसका गवाह और उत्तर दोनों है। और फिर माँ

को किसी के साक्ष्य की जरूरत क्या?

समाज ने बेटी को परिस्थिति के साथ चलना सिखाया, बहू को घर जोड़ने की सलाह दी, और माँ को ममता की मूरत बनाकर कहा... तेरे पास तो खजाना है, तुझे क्या चाहिए? तेरी खुशी तो बच्चों की खुशी में है। और उससे माँगने का हक छीन लिया।

माँ ने भी अपने सपने बुनना छोड़ दिया। ख्वाब दफ्न कर, ममता ही लुटाती रह गई। माँ से कहा... तू भगवान है... तू रोटी देगी। उसकी पूजा करने लगे... वो रोटी खिलाने लगी और उसने खुद को इंसान समझना छोड़ दिया।

माँ की आजादी को छीन, एक सोने के पिंजरे में कैद कर दिया।

देवी बनाकर कहा... देखो माँ कितनी महान होती है, कभी कुछ नहीं माँगती। किसी का ध्यान नहीं गया कि माँ इंसान है... और इंसान थकता है, उसकी जरूरतें होती हैं।

समाज ने एक जाल बिछाया है अपने बोनेपन का। माँ को इतना ऊँचा बिठाया कि वो नीचे उतर कर अपना हक ही ना माँग ले। माँ चुप हो गई... क्योंकि उसे लगा कि उसने कुछ माँगा तो वह देवी से गिरकर 'औरत' हो जाएगी।

माँ होना मतलब... गंगा होना। माँ होना मतलब... सिर्फ देना।

दुनिया ने उसकी थकान का हिसाब रखना बंद कर दिया, क्योंकि माँ तो... बेहिसाब है ना! फिर माँ ने माँगना छोड़ दिया। उसे लगा कि यदि वह एक पल अपने लिए निकाल लेगी, या कहीं किसी से कुछ माँग लेगी, तो उसकी ममता पर उँगलियाँ उठ जाएँगी।

माँ को वही चाहिए होता है, जिसे हम माँ से छीन लेते हैं।

बीबीमैं एक माँ हूँ, इसलिए कह सकती हूँ कि... माँ को भी भूख लगती है, थकान होती है, नींद आती है। उसके भी सपने होते हैं, जो बच्चे होने के बाद दफ्न हो जाते हैं। माँ का ध्यान सिर्फ बच्चे पर रहता है, क्योंकि उसे सिखाया गया है कि वो भगवान है, इंसान नहीं।

पर माँ इंसान है... भगवान नहीं।

मैं उसे इंसान का दर्जा वापस दिलाना चाहती हूँ, जो उससे छीन लिया गया है। इंसान कहलाना माँ का अपमान नहीं... उसका सम्मान है। **माँ को महान नहीं... माँ को इंसान कहो।**

आज जब मेरी बेटियाँ माँ बनने वाली हैं, तो मैं नहीं चाहती कि मेरी बेटियाँ खुद को भूलें। वो कर्तव्य के साथ माँगने का अधिकार रखें, और माँगते समय खुद को स्वार्थी ना समझें। क्योंकि जो माँ खुद से प्यार करती है, वह अपने बच्चों को प्यार करना भी सिखाती है।

वो सिखाएगी कि... माँगूंगी तो माँ नहीं रहूंगी... इस तरह से उसे जज ना किया जाए। उसे महसूस किया जाए, उसके जज्बात का ख्याल रखा जाए। ऐसा करते समय वो 'माँ' ही रहेगी, ये भरोसा दिलाया जाए।

मैं एक माँ हूँ और माँ के लिए आवाज़ उठा रही हूँ। 'माँ को कुछ नहीं चाहिए'... ये अंतःकरण में बैठा दिया गया है, उसे शुद्ध करने की जरूरत है। ये माँ को बताने की जरूरत है कि **कुछ न माँगना उसका नेचर नहीं, एक साजिश है।**

;;जो कई हाथों से अपनी गृहस्थी संभाल लेती है, एक जीवन को जन्म दे सकती है, वो इतनी कमजोर नहीं हो सकती कि अपने लिए जीने से अपराधबोध में चली जाए। ये उसका नहीं... समाज द्वारा माँ के मन में भरा गया गिल्ट है।

माँ से सिर्फ 'देना' मत सीखो, माँ को 'देना' भी सीखो।

माँ से उससे माँगने का डर छीन लो। उसे बताओ कि तू माँगेगी, तब भी सबसे पवित्र रहेगी। उसे बताओ कि माँगना इंसान होने का सबूत है, कमजोर होने का नहीं।

माँ अपने बच्चों के लिए पूरा आसमान होती है और पूरी ज़मीन भी। उसका किरदार बहुत वृहद है। बात एक माँ की छवि से आजादी की नहीं... **माँ को आजाद करने की है, उस गिल्ट से जो उसे कुछ माँगने से रोकता है।**

रोटी ना बनाए तो उसकी इज्जत कम नहीं होगी। उसे इतना अपनापन मिले कि उससे कह सकें... सिर्फ खाना बनाना ही आपका काम नहीं। और उसे अपने सपने दफ्न करने की जरूरत नहीं।

हाँ, तू भी थकती है... ये हम जानते हैं। बस इतनी सी परवाह... कि माँ बेपरवाह नहीं होती। क्योंकि माँ के हिसाब और प्रवाह का कोई समकक्ष नहीं।

लेखिका.. डॉक्टर अनुराधा बक्शी अनु
अधिवक्ता
पोलसाय पारा गली नंबर 1
दुर्ग छत्तीसगढ़
491 001
मो. नं. 91792 80257

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सुकमा में गूंजे मंगलगीत आयोग सदस्य दीपिका शोरी साथ अन्य बने साक्षी

105 जोड़ों ने थामा जीवनभर का साथ, खुशियों और आशीर्वाद के बीच हुआ सामूहिक विवाह

सुकमा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सुकमा जिले में हड़मा स्टेडियम खुशियों, मंगलगीतों और पारंपरिक रीति-रिवाजों से सराबोर नजर आया। प्रदेशव्यापी आयोजन के तहत आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 105 जोड़ों ने सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। पूरे आयोजन में उत्साह, उल्लास और सामाजिक समरसता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह में जिलेभर से पहुंचे परिजन, ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया। विवाह समारोह में हिंदू, ईसाई सहित विभिन्न धर्मों और समुदायों के जोड़ों के साथ विशेष पिछड़ी जनजातियों की सहभागिता ने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विविधता का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सम्मान और विश्वास का माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले बेटियों के विवाह को लेकर गरीब परिवारों में चिंता रहती थी, लेकिन अब यह योजना उनके लिए सहारा बन रही है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। साथ ही नवदंपत्तियों को सांकेतिक चेक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए, ताकि वे अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत आत्मविश्वास और सम्मान के साथ कर सकें। समारोह को व्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। प्रशासनिक टीम ने पूरे आयोजन को सफल और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों ने शासन-प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बड़ेसेड्डी पंचायत के नवदंपति भावना अड्डी और नागुल विनोद कुमार ने कहा कि विवाह समारोह की व्यवस्थाएं बेहद अच्छी थीं और पूरे सम्मान के साथ उनका विवाह संपन्न हुआ। वहीं झापरा निवासी रामकृष्ण सोड़ी ने बताया कि यह योजना गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जिससे बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक हो पा रहा है। समारोह में हर ओर खुशी, उत्साह और संतोष का माहौल दिखाई दिया। मंगलगीतों और आशीर्वाद के बीच संपन्न हुए इस आयोजन ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के मानवीय और सामाजिक उद्देश्य को जीवंत रूप से साकार कर दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मंगम्मा सोयम, उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नु, माड़े बारसे, जनपद सदस्य मड़कम भीमा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगर पालिका नारायणपुर द्वारा स्वछता महा अभियान चलाया जा रहा

नारायणपुरा नगर को स्वच्छ रखने के लिए नगर पालिका नारायणपुर द्वारा स्वछता महा अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत नगर पालिका नारायणपुर स्थित गोटियारी तालाब में विशेष साफ सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव, ह्रदय राम वर्मा सहित बड़ी संख्या में स्वछता दीदियों, नागरिक गणों ने एहम योगदान दिया। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव ने कहा कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नारायणपुर जिले के तालाबों, सरोवरों एवं प्रमुख चौक चौराहों, सार्वजनिक स्थल में स्वच्छता अभियान निरंतर जारी रहेगा।

उदय नगर वार्ड में सुशासन तिहार का आयोजन, 38 आवेदन प्राप्त

कांकेर। जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण किए जाने के उद्देश्य से सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत नगरपालिका परिषद कांकेर के उदय नगर वार्ड स्थित सांस्कृतिक भवन में शहर के चार वार्डों अलबेलापारा, उदय नगर, शिवनगर एवं माहुरबंदपारा वार्डवासियों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका परिषद् कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक द्वारा की गई। शिविर में मुख्य रूप से नामांतरण एवं सीमांकन के लंबित प्रकरण, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, बंद हैंडपंपों की मरम्मत, पाइप लाइन विस्तार, खराब ट्रांसफार्मर, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना, वृद्धावस्था एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा उज्ज्वला योजना के पात्र हितग्राहियों के लंबित प्रकरणों का निराकरण एवं लाभ सुनिश्चित करने के साथ ही जनता से जुड़ी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। इस अवसर पर राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी नागरिकों को दी गई। शिविर में 38 आवेदन प्राप्त हुए, जिसका नियमानुसार निराकरण किया जाएगा। सुशासन तिहार पर आयोजित इस शिविर में नगर पालिका के उपाध्यक्ष उत्तम यादव, पार्षद उगेश्वरी उईके, चन्द्रलोक सिंह ठाकुर, शकुंतला जैन, दीपक शोरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन मेरिया सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

कांकेर शहर के विभिन्न वार्डों में शिविरों का आयोजन

सुशासन तिहार के अवसर पर कांकेर शहर के विभिन्न वार्डों में 13 मई से 04 जून तक शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम जनता की समस्या व शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन मेरिया ने बताया कि 13 मई को महादेव वार्ड के प्रेक्टिसिंग स्कूल में वार्ड क्रमांक - 05, 06, 07 एवं वार्ड क्रमांक 08 के नागरिकों के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 19 मई को भण्डारीपारा के सामुदायिक भवन में वार्ड क्रमांक 09, 10 एवं वार्ड क्रमांक 11 के लिए तथा 22 मई को मांझापारा के पुराना कम्यूनिटी हॉल में वार्ड क्रमांक 12, 13 एवं वार्ड क्रमांक 14 के लिए और 27 मई को एमजीवार्ड के नया कम्यूनिटी हॉल में वार्ड क्रमांक 15, 16, 17 एवं 18 तथा 04 जून को अघन नगर के मेलाभाटा मंच पर वार्ड क्रमांक 19, 20 और वार्ड क्रमांक 21 के नागरिकों के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भोजराज सिन्हा एवं सहायक नोडल अधिकारी पूजा सार्वा को बनाया गया है।

स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से लगभग 60 मीटर लंबा लकड़ी और बाँस से निर्मित पुल तैयार किया

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्गम और संवेदनशील अबूझमाड़ क्षेत्र में 38वीं वाहिनी आईटीबीपी ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से लगभग 60 मीटर लंबा लकड़ी और बाँस से निर्मित पुल तैयार किया है। यह पुल ओरछा थाना से करीब 20 किलोमीटर दूर कुड़मेल गांव के पास बनाया गया है, जहां बरसात के दौरान नाले में तेज बहाव के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता था। इस समस्या के कारण ग्रामीणों का महीनों तक बाहरी दुनिया से संपर्क खत्म हो जाता था तथा सुरक्षा बलों की परिचालन गतिविधियां भी प्रभावित होती थीं। राशन, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता था। आगामी बरसात के मौसम की गंभीर प्रतिकूलताओं को ध्यान में रखते हुए त्वरित स्तर पर पक्का पुल बनना संभव प्रतीत नहीं हो रहा था। ऐसी परिस्थितियों में 38वीं वाहिनी आईटीबीपी ने अनूठी पहल लेकर इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करने का निर्णय लिया, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों ने भी भरपूर सहयोग किया। 38वीं वाहिनी के कमांडेंट रोशन सिंह असवाल के मार्गदर्शन तथा असिस्टेंट कमांडेंट राम कुमार मौर्य के नेतृत्व में 15 जवानों की टीम ने कठिन परिस्थितियों में यह कार्य केवल 15 दिनों में पूरा किया। स्थानीय संसाधनों के माध्यम से निर्मित यह पुल न केवल पैदल आवागमन हेतु उपयोगी है, बल्कि चलती हुई मोटरसाइकिल के भार को सुरक्षित रूप से वहन करने में भी सक्षम है। इस पुल का उद्घाटन रोशन सिंह असवाल कमांडेंट, 38वीं वाहिनी एवं रोबिंसन गुरिया पुलिस अधीक्षक नारायणपुर, वेंकटेश एम जी डीएफओ नारायणपुर द्वारा स्थानीय ग्रामीणों एवं बल के जवानों की उपस्थिति में किया गया। इस पुल के निर्माण से अब ग्रामीणों और सुरक्षा बलों को वर्षभर सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। यह पहल आईटीबीपी की कर्तव्यनिष्ठा, जनसेवा और स्थानीय सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कोटपा अधिनियम के तहत सघन कार्रवाइ 35 लोगों पर 5 हजार रुपये का जुर्माना

नारायणपुर। तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कोटपा अधिनियम 2003 के तहत सघन जांच एवं चलानी कार्रवाई की गई। यह अभियान शहर के स्वामी आत्मानंद कॉलेज से लेकर जगदीश मंदिर तक संचालित किया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करने, बिना वैधानिक चेतावनी चित्र वाले तंबाकू उत्पाद बेचने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 35 लोगों से कुल 5 हजार रुपये का चालान वसूला गया। जांच में कई दुकानों में तंबाकू उत्पादों पर अनिवार्य कैंसर चेतावनी चित्र नहीं पाए गए, वहीं कुछ स्थानों पर खुलेआम धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों का प्रदर्शन भी किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान जिन प्रमुख उल्लंघनों पर चालानी कार्रवाई की गई उनमें तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी चित्र का अभाव, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, तंबाकू उत्पादों का प्रदर्शन एवं विज्ञापन तथा दुकानों में नो स्मोकिंग जोन बोर्ड नहीं लगाना शामिल रहा। इस अभियान का नेतृत्व तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. यखिलेश्वरी ठाकुर ने किया। टीम में प्रशांत लाल सिवना, डॉ. सीयाम्बर सिंह तथा छत्रपाल साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। नोडल अधिकारी डॉ. यखिलेश्वरी ठाकुर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, विशेषकर कैंसर, से लोगों को बचाने के लिए लगातार जनजागरूकता और कार्रवाई दोनों जरूरी हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार की औचक कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर को तंबाकू मुक्त और स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सके।

सीएसईबी कॉलोनी में नवीन स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ, वार्डवासियों को अंधेरे से मिली राहत

किरन्दुल। किरन्दुल वार्ड क्रमांक 18 स्थित सीएसईबी कॉलोनी में लंबे समय से चली आ रही अंधेरे की समस्या को दूर करने हेतु नवीन स्ट्रीट लाइट का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह के द्वारा विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। पूजा पश्चात स्ट्रीट लाइट चालू होते ही क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों के अनुसार सीएसईबी कॉलोनी में कई स्थानों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता था। रात के समय लोगों को घर से बाहर निकलने में डर एवं असुरक्षा का अनुभव होता था। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अंधेरे के कारण दुर्घटना एवं असामाजिक गतिविधियों की आशंका भी बनी रहती थी, जिससे वार्डवासियों में भय का माहौल था। नई लाइटें लगने के बाद अब कॉलोनी की सड़कें रोशनी से जगमगा उठी हैं, जिससे लोगों को राहत मिली है। इस अवसर पर अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है तथा जहां भी बिजली, सड़क, पानी अथवा सफाई जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नगर के विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे और जनता की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ महिला आयोग में मामला हुआ दर्ज, ग्रामीण महिलाओं ने लगाए गंभीर आरोप

घर-घर घुसकर डराने, धमकाने और महिलाओं से अभद्रता का आरोप

सुकमा। जिले के कोंटा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सेंडुरगुड़ा से वन विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ गंभीर शिकायत सामने आई है। ग्रामीण महिलाओं ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि वन विभाग की टीम ने गांव में पहुंचकर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया, जबरदस्ती घरों में घुसे और धमकाते हुए कार्रवाई की। इस आवेदन पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए महिला आयोग में मामला दर्ज कर लिया गया है व सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जल्द ही इस पर सुनवाई की जाएगी। विदित हो कि महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोढ़ी के नाम सौंपे गए आवेदन में ग्राम पंचायत सेंडुरगुड़ा की निवासी सोढ़ी दिव्या सहित अन्य ग्रामीण महिलाओं ने आरोप लगाया है कि 22 अप्रैल की सुबह करीब 8 बजे वन विभाग की टीम गांव पहुंची। आवेदन में रेंजर एम. प्रसाद राव, बीट गार्ड अशोक कुमार बट्टू, ईश्वर सिंह बघेल सहित अन्य कर्मचारियों के नाम का उल्लेख किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन अमला गांव में पहुंचकर महिलाओं के घरों में घुसा और उनसे जबरदस्ती पूछताछ की गई। आवेदन में यह भी कहा गया है कि महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता की गई, जिससे गांव में भय और आक्रोश का माहौल बन गया।

कान की बाली टूट गई, फोन पर भी धमकी

शिकायत पत्र में एक महिला ने आरोप लगाया है कि वन विभाग की कार्रवाई के दौरान उसके कान की बाली टूट गई और बाद में फोन कर भी धमकाया गया। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत के सरपंच को भी फोन पर कथित रूप से धमकियां दी गईं।

निष्पक्ष जांच व वैधानिक कार्यवाही की मांग

ग्रामीण महिलाओं ने महिला आयोग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफवैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन के साथ कई ग्रामीण महिलाओं के हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान भी लगाए गए हैं।

गांव में बढ़ा आक्रोश

घटना के बाद गांव में वन विभाग के खिलाफ नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाएगा तो गांवों में प्रशासन और विभागों के प्रति विश्वास खत्म हो जाएगा। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगी।

प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के वारिसों को 24 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा पीड़ित के 06 प्रकरण में वारिसों को 24 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा बड़ेराजपुर तहसील के खलारी निवासी अघनसिंह की गाज गिरने से मृत्यु होने पर पत्नी लीलाबाई को, घनोरा तहसील के ग्राम तोड़ासी निवासी रतन की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी सुगन्तीन को, फरसगांव तहसील के ग्राम बड़गई निवासी घस्सू की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर पत्नी मनाय, पुत्र अस्सीराम को, कोण्डागांव तहसील के ग्राम बाखरा निवासी मनकी बाई विश्वकर्मा की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर पति रामसाय विश्वकर्मा को, मर्दापाल तहसील के ग्राम मोहलई निवासी सरादू की सर्पदंश से मृत्यु होने पर पत्नी चमेली को, कोण्डागांव तहसील के ग्राम सुकुरपाल निवासी गुनगुन कश्यप की सर्पदंश से मृत्यु होने पर माता अंजली कश्यप, पिता मानसिंह कश्यप को 04-04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति प्रदान की गई है। उक्त सहायता राशि सम्बन्धित वारिसों के बैंक खाते में हस्तांतरित करने के निर्देश सम्बन्धित

गोआ में आयोजित 'मिसेज इंडिया इंटरनेशनल' के पांचवें सीजन में सीमा साहू ने जीता 'क्लासिक' का खिताब

बचेली। एसएस फाउंडेशन द्वारा गोआ में आयोजित 'मिसेज इंडिया इंटरनेशनल' के पांचवें सीजन में छत्तीसगढ़ की प्रतिभा ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है। बचेली की सीमा साहू ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास के दम पर 'मिसेज इंडिया यूनिवर्स क्लासिक' का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है।

दो दिनों तक चली कड़ी प्रतियोगिता

शिखा साहू द्वारा आयोजित इस भव्य इवेंट में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।दो दिनों तक चले इस समारोह में प्रतिभागियों को विभिन्न कड़े चरणों से गुजरना पड़ा, जिसमें शामिल थेः टैलेंट राउंडः जहाँ प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। क्वेश्चन-आंसर राउंडः जहाँ बुद्धिमत्ता और हाजिरजवाबी की परीक्षा हुई। बॉलीवुड राउंडः जिसमें ग्लैमर और स्टाइल का तड़का देखने को मिला। गाउन राउंडः जहाँ एलिगेंस और आत्मविश्वास को परखा गया। निर्णायकों के लिए रही मुश्किल चुनौती, सभी राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सीमा साहू ने जूरी का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता इतनी कड़ी थी कि निर्णायक मंडल के लिए विजेता का चयन करना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। अंततः, सीमा के व्यक्तित्व और प्रतिभा ने उन्हें 'मिसेज इंडिया यूनिवर्स क्लासिक' के ताज तक पहुँचाया।

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने पहनाया ताज

समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल मौजूद रहीं। उन्होंने सीमा साहू को विजेता का क्राउन पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। समाजसेविका किरण भदौरिया ने प्रसन्नता जताते हुए कहा सीमा साहू प्रेरक मातृशक्ति है हमें उन पर गर्व हैं। वार्ड पार्षद हरीश शर्मा नें कहाँ ये हमारे लिए गौरव का विषय हैं। इस उपलब्धि से न केवल सीमा साहू के परिवार में हर्ष का माहौल है, बल्कि पूरे क्षेत्र में उनकी इस सफलता की सराहना की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना: अबूझमाड़ की धरा पर आयोजित सामूहिक विवाह में 10 जोड़ों ने किया दाम्पत्य जीवन में प्रवेश

जिला पंचायत अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों ने वर-वधू को दिया आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं

नारायणपुर। अबूझमाड़ को धरा पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत आज 10 जोड़ों ने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर नये जीवन की शुरूआत की। आज का दिन 10 परिवारों के लिए यादगार एवं उत्साहमय रहा। नव विवाहित जोड़ो को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देने जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, राज्य सहकारिता लघु वनोपज के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी हुसेंडी, नरेश कोर्राम सहित कलेक्टर नम्रता जैन, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे। समारोह जिला मुख्यालय में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास अधिकारी लुपेंद्र महिलांग ने सामूहिक विवाह आयोजन के लिए की गयी विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष मरकाम ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के ऐसे गरीब माता-पिता जिनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है, वे अपने बच्चों की शादी धुमधाम से कर सकें। ऐसे माता-पिता के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कारगर सिद्ध हो रही है। इस योजना से नारायणपुर की बेटियों के हाथ पीले होने के साथ-साथ प्रदेश के हजारों बेटियों के हाथ भी पीले हुए हैं और वे सुखमय जीवन जी रही है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना तहत प्रत्येक वर-वधू को 50 हजार रूपये देने का प्रावधान है जिसके तहत उनके खाते में 35 हजार रुपए हस्तांतरित की जाती है। राज्य सहकारिता लघु वनोपज के अध्यक्ष सलाम ने सामूहिक विवाह में शामिल नव विवाहित जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इतने जोड़ों का विवाह संपन्न हो रहा है, जो बहुत ही खुशी की बात है। उन्होंने शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बस्तर के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह शासन की बहुत अच्छी योजना है, गरीब परिवारों के लिए यह बहुत ही सहयोगी है। इससे गरीब परिवारों के बच्चों की शादी संपन्न कराने में मदद मिलती है, साथ ही कार्यक्रम में शामिल छोटे-बड़े सभी लोगों का आशीर्वाद भी मिलता है। नगर पालिका अध्यक्ष बघेल ने कार्यक्रम को संबोधित कर शासन की योजनाओं की जानकारी दी एवं नव विवाहित जोड़ो को सुखमय जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय रेड क्रॉस दिवस पर सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता का दिया गया संदेश

गौरेला पेंड्रा मरवाही। भारतीय रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत बस्ती के स्कूल प्रांगण स्थित सुशासन शिविर में स्वास्थ्य एवं जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता करना रहा। इस अवसर पर 5 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का प्रेरणादायक संदेश दिया। वहीं शिविर में कुल 80 लोगों का बीपी, शुगर एवं एचबी परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय टीम द्वारा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पात्र हितग्राहियों को 30 आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। भारतीय रेड क्रॉस दिवस पर आयोजित इस शिविर ने समाज में सेवा, सहयोग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची एवं कलेक्टर डॉ संतोष प्रसाद देवांगन सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद तत्परता से जन सेवा में जुटे नव पदस्थ कलेक्टर

गौरैला पेंड्रा मरवाही। जिले में नव पदस्थ कलेक्टर डॉ.संतोष प्रसाद देवांगन ने कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल बाद दूरस्थ अंचल के ग्राम पंचायत बस्ती में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर पहुचकर ग्रामीणों की समस्याओं और उनके समाधान की जानकारी ली। उन्होंने शिविर में आवेदन देने वाले ग्रामीण जनों और संबंधित विभाग के अधिकारी को मंच के समक्ष बुलाकर ग्रामीणों की मांग पर की गई कारवाई के बारे में संबंधित अधिकारी को बताने के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा ऋण पुस्तिका, पटटा, वन अधिकार पत्र, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा सुधार, फौती नामांतरण आदि राजस्व विभाग से संबंधित आवेदनों का निराकरण शीघ्रता से करने एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिए। कलेक्टर ने वन अधिकार पत्र से संबंधित आवेदनों के निराकरण के लिए राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम को आवेदकों की एक साथ बैठक लेकर सही जानकारी और मार्गदर्शन देने कहा। इसी तरह अन्य विभागों के आवेदनों के निराकरण की स्थिति से अवगत होते हुए उन्हें भी आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करने और अगले शिविर में निराकरण की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि आम जनता अपना रोजी-रोटी छोड़ कर भरोसे के साथ शिविर में आते हैं, उन्हें झूठा आश्वासन नहीं देना है। उन्हें सही जानकारी दे, उनका मार्गदर्शन करें, नियम प्रक्रिया में नहीं आने अथवा पात्रता नहीं होने की स्थिति में आवेदकों को अवगत कराएं। शिविर में कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया जा रहा है।

बाबा महाकाल का दिव्य आगमनः स्वर्ण विहार में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 'हर हर महादेव' से गूंजा परिसर

कोरबा। शहर के स्वर्ण विहार परिसर में इन दिनों भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। 100 बेड अस्पताल के सामने आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में राजाधिराज अवंतिका नरेश बाबा महाकाल के प्रतीकात्मक दिव्य स्वरूप का आगमन हुआ है। बाबा के आगमन की खबर मिलते ही श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला और सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा परिसर हर हर महादेव और जय बाबा महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे सभी श्रद्धा भाव के साथ बाबा महाकाल के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। भक्तों ने फूल-माला, बेलपत्र और जल अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। इस दिव्य आयोजन में बाबा महाकाल के चरणसेवक पूज्य कलानिधि चंचल अभ्युदय सतीश सक्सेना जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित हैं। महाराज श्री अपने मुखारविंद से बाबा महाकाल की महिमा का गुणगान कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दे रहे हैं। उनके प्रवचनों को सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

बानाबेल समाधान शिविर में 169 आवेदन प्राप्त, 877 हितग्राहियों को मिला त्वरित लाभ

सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाएं पहुंच रहीं अंतिम व्यक्ति तक : केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

बिलासपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत कोटा विकासखंड के ग्राम बानाबेल में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में जनसमस्याओं के निराकरण, योजनाओं के लाभ वितरण एवं हितग्राहियों से सीधा संवाद का प्रभावी आयोजन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं स्थानीय सांसद श्री तोखन साहू ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी सोच के साथ गांव-गांव में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण और योजनाओं के लाभ के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें शिविर में कुल 169 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 152 मांग संबंधी और 17 शिकायत संबंधी प्रकरण शामिल रहे। इनमें मांग संबंधी 17 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा अन्य प्रकरणों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई। श्री तोखन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर पात्र हितग्राही तक इनका लाभ पहुंचे, सुशासन तिहार के तहत 40 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव के पंच से लेकर मुख्यमंत्री तक और भृत्य से लेकर सचिव स्तर तक अधिकारी इस अभियान से जुड़े हैं, जो शासन की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा

कि ग्रामीणों के छोटे-छोटे कार्यों का भी समयबद्ध निराकरण होना चाहिए। विशेष रूप से राजस्व प्रकरणों जैसे सीमांकन, बंटवारा एवं नामांतरण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि किसानों और ग्रामीणों को परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने कहा कि प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता ही सुशासन की पहचान है। श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनता की आवश्यकताओं और कठिनाइयों को समझते हैं, इसलिए गरीबों के लिए खाद्यान्न सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। आगामी बरसात के मद्देनजर तीन माह का राशन अग्रिम रूप से उपलब्ध कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि शासन गरीब, किसान, महिला, युवा और बुजुर्ग सभी वर्गों की चिंता कर रहा है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि आधी आबादी को सुविधाएं और सम्मान देना शासन का संकल्प है। इसी सोच के तहत घर-घर शौचालय, उवला योजना के तहत गैस कनेक्शन और अन्य योजनाओं का लाभ दिया गया है। शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री श्री साहू ने कहा कि जिले के परीक्षा परिणामों में इस वर्ष गिरावट आई है, जिसे अगले वर्ष बेहतर बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 100 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में,गूंजी शहनाइयां और हुई पुष्प वर्षा

सूरजपुर संवाददाता। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के हाथ पीले करने की पवित्र भावना के साथ शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जिले में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 100 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर अपने नवजीवन की मंगलमय यात्रा पर निकल पड़े। पूरे विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुए इस गरिमामय आयोजन में मंत्रोच्चार के बीच फेरे, सिंदूरदान एवं वरमाला की रस्में पूरी कराई गईं। समारोह स्थल पर शहनाइयों की गूंज, बैंड-बाजों की धुन एवं पुष्प वर्षा के बीच नवदंपत्तियों ने एक-दूसरे का जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने नवदंपत्तियों को दी शुभकामनाएं:- मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती

लक्ष्मी राजवाड़े ने सभी नवविवाहित जोड़ों को सुखमय एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विवाह जीवन का सबसे पवित्र संस्कार है, जो दो आत्माओं को सात जन्मों के बंधन में बांधता है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा इस वर्ष दो चरणों में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक इस कल्याणकारी योजना का लाभ पहुंच सके। आत्मनिर्भर महिला से सशक्त परिवार और समाज – मंत्री श्रीमती राजवाड़े:- मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर महिला, सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की आधारशिला है।' उन्होंने कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूत करती हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं समाज के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

टिकट चेकिंग अभियान में बिलासपुर रेलवे मंडल ने बनाया नया रिकार्ड.....

- एक दिन में 14 लाख 53 हजार 645 रूपये वसूले गये जुर्माना

बिलासपुर। टिकटधारी यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा को ध्यान में रखते हुए एवं यात्रियों को टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूक करने तथा गाडियों में बेटिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा प्रतिदिन टिकट चेकिंग अभियान चलाया जाता है। इसी संदर्भ में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक के आदेशानुसार एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 07 मई 2026 को मंडल वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा टिकट चेकिंग अभियान चलाकर अब तक की सर्वाधिक वसूली की गई। उक्त दिनांक को टिकट चेकिंग अभियान से कुल 2147 मामलों से 14 लाख 53 हजार 645 रूपये बतौर जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट के 1162 मामलों से 9,72,535 रूपये अनियमित टिकट के 683 मामलों से 3,67,245 रूपये, बिना बुक किये गये लगेज के 40 मामलों से 4,280 रूपये, टिकट श्रेणी परिवर्तन के 246 मामलों से 1,07,935 रूपये तथा गंदगी फैलाने के 16 मामलों से 1,650 रूपये शामिल हैं जो कि मंडल में अभी तक प्रतिदिन टिकट चेकिंग अभियान से जुर्माने की सर्वाधिक वसूली है। इसके पूर्व 03 मई 2026 को कुल 2112 मामलों से 14 लाख 28 हजार 542 रूपये की वसूली की गई थी। रेल प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें।

जल संरक्षण और जनकल्याण योजनाओं का जमीनी निरीक्षण

प्रभारी सचिव ने कोटा के दूरस्थ गांवों का किया दौरा

बिलासपुर। अपर मुख्य सचिव एवं बिलासपुर जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज आदिवासी बहुल कोटा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम बानाबेल, खैरझिट्टी और सेमीपाली का दौरा कर विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन, मजदूरी भुगतान और स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह और जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल भी दौरे में साथ थे। प्रभारी सचिव श्री पिंगुआ ने ग्राम बानाबेल में मनरेगा अंतर्गत प्रगतिरत खैरी तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। लगभग 9.50 लाख रुपए की स्वीकृति से संचालित इस कार्य में आज 36 मजदूर तालाब खुदाई में लगे हुए थे तथा अब तक लगभग 4 लाख रुपए का कार्य पूर्ण हो चुका है। श्री पिंगुआ ने मौके पर मौजूद मजदूरों से चर्चा कर कार्य की प्रगति, मजदूरी भुगतान और कार्यस्थल की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते

हुए कहा कि तालाबों का संरक्षण और संवर्धन ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल, आजीविका और अन्य स्थानीय आवश्यकताओं पर भी चर्चा की तथा अधिकारियों को आवश्यक पहल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने दारसागर में संचालित आदि सेवा केंद्र का अवलोकन कर वहां उपलब्ध सेवाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।श्री पिंगुआ ने ग्राम खैरझिट्टी एवं सेमीपाली के बैगा मोहल्ला पहुंचकर प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत निर्मित आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से बातचीत कर आवास निर्माण की गुणवत्ता, सुविधाओं और योजना से मिले लाभ की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट का भी जायजा लिया और सीएमएचओ को वाहन में स्वास्थ्य सुविधाएं और संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान प्रभारी सचिव एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने बैगा महिलाओं और बच्चों से आत्मीय संवाद किया। महिलाओं से उनकी आजीविका गतिविधियों और स्वावलंबन संबंधी प्रयासों की जानकारी ली, वहीं बच्चों से पढ़ाई और स्कूल गतिविधियों पर चर्चा कर उन्हें नियमित शिक्षा के लिए प्रेरित किया। दौरे के माध्यम से शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और दूरस्थ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में कार्यशाला आयोजित

- छात्र-छात्राओं ने ली रेड क्रॉस की शपथ, मानवता की सेवा का लिया संकल्प
- तटस्थ एवं निष्पक्ष भाव से पीड़ितों की सेवा का दिया गया संदेश

सूरजपुर संवाददाता। विश्व रेड क्रॉस दिवस के पावन अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में एक प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मानवता की सेवा, रेड क्रॉस आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व एवं उसके मूल उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यशाला महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रभारी प्राचार्य श्री रंजीत कुमार सातपुते के कुशल मार्गदर्शन में तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं रेड क्रॉस समिति के संगठक श्री धीरेंद्र कुमार जायसवाल के सफल संचालन में संपन्न हुई। रेड क्रॉस की स्थापना, उद्देश्य एवं महत्व पर हुई विस्तृत चर्चा:- कार्यशाला के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष रेड क्रॉस की स्थापना के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसके मूल उद्देश्यों एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता के बारे में सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने बताया कि रेड क्रॉस आंदोलन मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता एवं सार्वभौमिकता के सात मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है, जो विश्वभर में युद्ध, आपदा एवं संकट की घड़ी में पीड़ित मानवता की निःस्वार्थ सेवा का पर्याय बन चुका है। मानवता की सेवा में स्वयं को समर्पित करने का आह्वान:- कार्यशाला में वक्ताओं ने उपस्थितजनों से आह्वान किया कि वे इस पावन अवसर का उपयोग मानवता की सेवा में स्वयं को समर्पित करने के संकल्प के रूप में करें। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति की सहायता करते समय जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र अथवा किसी अन्य प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। तटस्थ रहकर निष्पक्ष भाव से 'पीड़ित को केवल पीड़ित समझकर' उसकी सेवा करने की भावना ही रेड क्रॉस का सच्चा संदेश है।सभी को दिलाई गई रेड क्रॉस शपथ:- कार्यक्रम के दौरान संगठक श्री धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रेड क्रॉस की शपथ दिलाई। शपथ के माध्यम से सभी ने मानवता की सेवा, पीड़ितों की सहायता एवं समाज में करुणा, सहानुभूति तथा सेवा भावना के प्रसार का सामूहिक संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के दौरान महाविद्यालय परिसर में सेवा एवं समर्पण की भावना का सजीव वातावरण निर्मित हुआ।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने आत्मीयता पूर्वक सुनी ग्रामीणों की समस्याएं.....

- मोहरसोप में सुशासन तिहार शिविर बना जनसमस्याओं के निराकरण का सशक्त मंच
- शिविर में मिले 872 आवेदन, मौके पर ही 275 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

सूरजपुर संवाददाता। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज जनपद पंचायत ओड़गी के ग्राम पंचायत मोहरसोप में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणजनों के लिए सही मायनों में वरदान सिद्ध हुआ। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस गरिमामय शिविर में दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणजनों ने अपनी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं और मौके पर ही समाधान पाकर संतोष व्यक्त किया। शासन-प्रशासन अब गांवों के द्वार – मंत्री श्रीमती रजवाड़े शिविर को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि सुशासन तिहार राज्य शासन की एक ऐसी अनूठी पहल है, जिसके माध्यम से शासन एवं प्रशासन स्वयं चलकर आमजन के बीच पहुंच रहा है तथा उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित यह जनकल्याणकारी अभियान शासन की अंत्योदय की भावना का जीवंत प्रमाण है। मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने स्पष्ट

करते हुए कहा कि राज्य शासन की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि गांव स्तर पर ही उनकी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए। यही कारण है कि सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना जा रहा है। मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने उपस्थित ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों एवं दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि शासन प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर पूर्ण संवेदनशीलता, गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी पात्र हितग्राही को योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की गई। आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन योजना, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, उवला योजना सहित अनेक केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं के स्टॉल ग्रामीणों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मौके पर ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया तथा कई हितग्राहियों को मंच के माध्यम से प्रमाण पत्र, स्वीकृति आदेश एवं हितलाभ का वितरण भी किया गया।

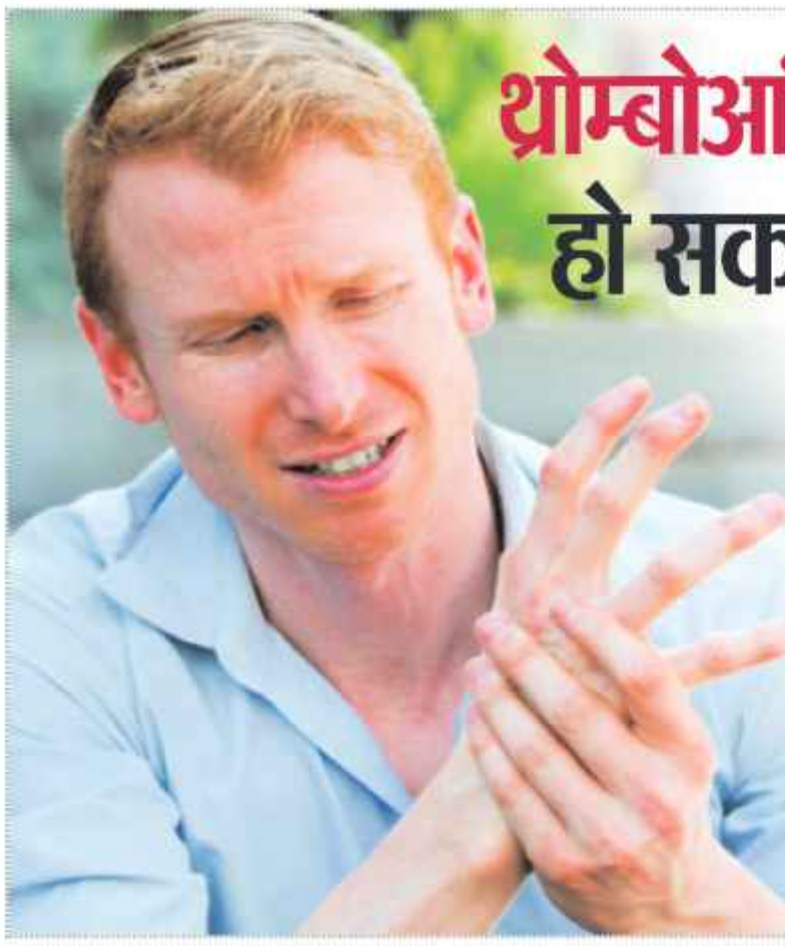

थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स का लक्षण हो सकता है हाथ पैर की झनझनाहट

पहले लोगों को तंबाकू के सेवन से कैंसर होता था लेकिन अब तंबाकू के अधिक सेवन से एक दुर्लभ बीमारी की पहचान हो गई है। इस बीमारी का नाम है बुर्जर रोग। बुर्जर की बीमारी को थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स भी कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें हाथों और पैरों की रक्त वाहिकाएं सूज जाती हैं और बाद में यह ब्लॉक हो जाती हैं।

नसों के ब्लॉक होने से हाथ-पैर की उंगलियों तक खून की सप्लाई रुक जाती है। ऐसा होने से आपके हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस हो सकती है। आपको उंगलियो में पीलापन नजर आ सकता है। यह ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसमें उंगलियां काम करना बंद कर देती हैं और किसी काम की नहीं रहती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है, जो स्मोकिंग करते हैं। जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

क्या है बुर्जर की बीमारी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

बुर्जर की बीमारी के कारण

ऐसा माना जाता है कि स्मोकिंग करने वालों में बुर्जर रोग विकसित होने का सबसे अधिक खतरा होता है। यह रोग भांग और तंबाकू का सेवन करने वालो में पाया गया है। यह एक दुर्लभ विकार है जो उन देशों में कम देखा गया है, जिन देशों में तंबाकू का कम सेवन किया जाता है।

बुर्जर की बीमारी के संकेत और लक्षण

- चलने से आपके निचले पैरों या पैरों में दर्द या जलन होना
- आपके हाथों या कलाइयों में दर्द या झनझनाहट
- रक्त में थक्के
- हाथ-पैर की उंगलियों पर अल्सर
- हाथ-पैर की उंगलियों पर त्वचा के रंग में पीला, लाल और कभी-कभी नीला पड़ जाना

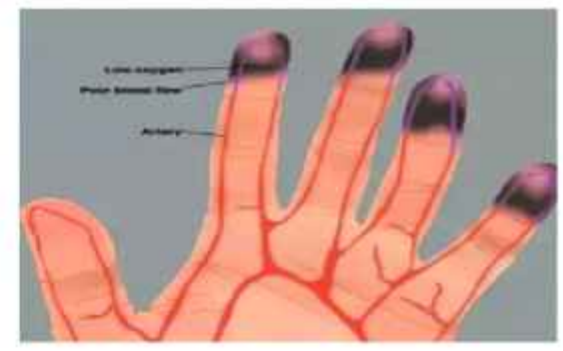

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगो के कॉफी ना पीने वालों की तुलना मे मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है।

शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालो में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षयी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

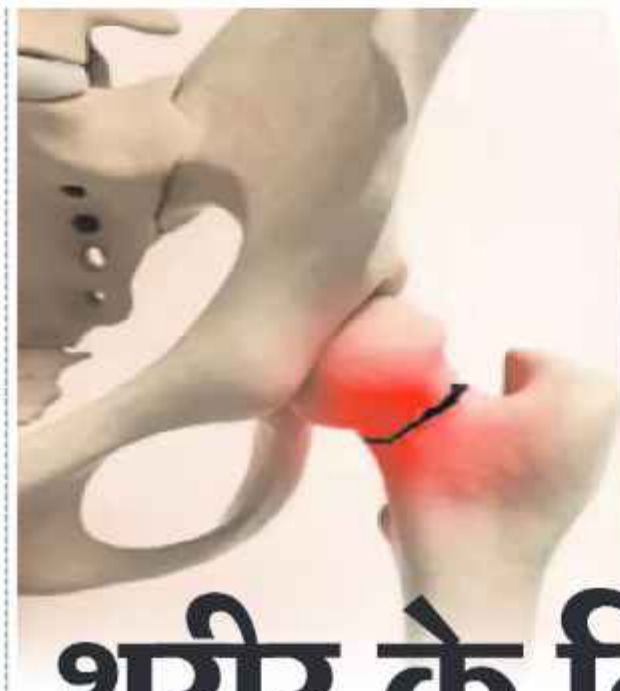

शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व है विटामिन डी

विटामिन डी एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। जो हमारे दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने से शरीर का कामकाज बिगड़ जाता है। धूप को इसका सबसे बढ़िया सोर्स माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह रास्ता काम नहीं करता है। जिसकी वजह से इस विटामिन की कमी होने लगती है।

विटामिन डी की कमी से होने वाले रोग?

यह विटामिन हड्डी, नाखून, दांत के लिए काफी जरूरी होता है। इसके कम होने पर हड्डी में दर्द, जोड़ हटना, मसल्स में दर्द, बार-बार बीमार पड़ना, ऑस्टियोपोरोसिस कैल्शियम की कमी, डिप्रेशन के लक्षण आदि परेशान कर सकते हैं। इसलिए इसे बॉडी में कमी कम ना होने दे।

धूप में क्यों नहीं रहते लोग?

धूप को विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स माना जाता है। लेकिन कुछ जगह धूप बहुत कम आती है या फिर कुछ लोगों की स्किन इसे ढंग से ग्रहण नहीं कर पाती है। वहीं, सेंसिटिव स्किन के लोग भी धूप से दूर रहते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए विटामिन डी लेने का अकेला रास्ता फल, सब्जियां, जूस, सप्लीमेंट खाना बच जाता है।

विटामिन डी की कमी का इलाज मशरूम

शाकाहारी लोगों में मशरूम से विटामिन डी की कमी खत्म की जा सकती है। एक स्टडी के अनुसार

इंसानों की तरह मशरूम भी धूप से विटामिन डी बनाता है। जिसे खाकर फायदा उठाया जा सकता है।

दूध, पनीर, दही

दूध और उससे बने पनीर, दही आदि में कैल्शियम होता है। इसके साथ आपको काफी विटामिन डी मिलता है। ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों, दांत और नाखून को मजबूत बनाने के काम आते हैं। आप पनीर की भुर्जी बनाकर भी खा सकते है।

विटामिन डी बढ़ाएं - अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा विटामिन डी भी देता है। इसके पीले हिस्से में फैटी एसिड, फैट और विटामिन डी होता है। आप इसे खाकर विटामिन डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

विटामिन डी फल फोर्टिफाइड फूड

कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी अलग से डाला जाता है। आप मार्केट से संतरे का जूस, सीरियल, ओटमील, दूध आदि खरीद सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल विटामिन डी डला हुआ हो।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कहा जाता है योग का खजाना

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को योग का खजाना कहा जाता है। इसे करने से न सिर्फ हार्मोनल इबैलेंस बल्कि पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं। ऐसी ही एक एक्सरसाइज का नाम है कपालभाति। आइए जानते हैं कपालभाति प्राणायाम करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

डाइजेस्टिव सिस्टम को बनाएं मजबूत

कपालभाति डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

दिल के लिए अच्छा

कपालभाति प्राणायाम फेफड़ों, स्प्लीन, लीवर, पैनक्रियाज के साथ-साथ दिल के कार्य में सुधार करता है। यह न केवल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है बल्कि धमनी के अवरोध को दूर करने में भी मददगार है।

नर्वस सिस्टम

यह नवर्स सिरटम यानि तंत्रिका तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा प्राणायाम माना जाता है। इसे करते समय होने वाली पंपिंग से ब्रेन के सेल्स में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ जाता है। कई महिलाओं को कपालभाति करते समय बीच में उबासी आती है। उबासी आने का मतलब यह है कि ब्रेन के सेल्स बहुत थके हुए हैं और जब ऑक्सीजन जाता है तब वह रिलैक्स हो जाते हैं।

हार्मोस बैलेंस

यह रिप्रोडक्टिव सिरटम के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसके नियमित अभ्यास करने से ब्लड की सप्लाई यूट्रस, फैलोपियन ट्यूब और ओवरीज में बढ़ती है, जहां पर साफ-सफाई का काम हो जाता है। जैसे कि पीसीओडी होने पर सिस्ट बन जाते हैं। यह सिस्ट हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बनते हैं। लेकिन जब कपालभाति प्राणायाम किया जाता है तब इससे हार्मोस बैलेंस होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा

कपालभाति शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। जिससे आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार होता है और त्वचा ग्लोइंग बनती है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है अनार

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते है। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगो से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती है कि अनार मे एंटीऑक्सिडेंट होते है जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते है और डीएनए को डैमेज होने से बचाते है, जिससे कैंसर हो सकता है।

गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर

हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 35 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं । इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस पीने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत में कुल 792401 मामले निराकृत तथा अवार्ड राशि 521467009.16 रूपए रही

दुर्ग। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा जिला मुंगेली से किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के समस्त जिले वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय द्वारा नेशनल लोक अदालत के आयोजन पर सभी जिलों को शुभकामनाऐं एवं बधाई प्रेषित की गयी। उन्होंने लोक अदालत को न्याय सुलभ कराने का प्रभावी माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं संबंधित विभागों से समन्वयपूर्वक कार्य करने का आव्हान किया।

उक्त अवसर पर 09 मई 2026 को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में तथा प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन में जिला न्यायालय एवं तहसील व्यवहार न्यायालय में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुम्ब न्यायालय, दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3, व्यवहार न्यायालय पाटन एवं व्यवहार न्यायालय धमधा तथा किशोर न्याय बोर्ड दुर्ग, श्रम न्यायालय दुर्ग, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग, राजस्व न्यायालय दुर्ग एवं उपभोक्ता फोरम दुर्ग में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गयी।

प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दुर्ग द्वारा दीप प्रज्जवलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के अलावा जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष श्री रमेश शर्मा एवं सचिव श्री रविशंकर सिंह तथा अन्य पदाधिकारीगण, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में कुल 38 खण्डपीठ का गठन किया गया। परिवार न्यायालय दुर्ग हेतु 03 खण्डपीठ, जिला न्यायालय दुर्ग हेतु 29, तहसील व्यवहार न्यायालय भिलाई-3 में 01 खण्डपीठ, तहसील व्यवहार न्यायालय पाटन हेतु 02 खण्डपीठ, तहसील व्यवहार न्यायालय धमधा में 01 खण्डपीठ, किशोर न्याय बोर्ड हेतु 01 तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग के लिए 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व न्यायालय में भी प्रकरण का निराकरण हेतु खण्डपीठ का गठन किया गया था।

उक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक सिविल, परिवार, मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित प्रकरण रखे गये तथा उनका निराकरण न्यायालय में सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौते के आधार पर किया गया। इसके अलावा बैंकिंग / वित्तीय संस्था, विद्युत एवं दूरसंचार से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों (विवाद पूर्व प्रकरण) का निराकरण भी किया गया। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों के आपसी राजीनामा से प्रकरण का शीघ्र निराकरण होता है, यहाँ वर्षों का विवाद मिनटों में सुलझ जाता है। इसमें न तो किसी की हार होती है न ही किसी की जीत होती है।आयोजित नेशनल लोक अदालत के अवसर पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला चिकित्सालय, दुर्ग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में आने वाले पक्षकारों के स्वास्थ्य जाँच / परीक्षण हेतु एक दिवसीय =निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर= का आयोजन किया गया। उक्त विभाग / कार्यालय की ओर से डॉ. निवेदिता गार्डिया चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सहायक कर्मचारियों द्वारा सेवाऐं प्रदान की गयी। स्वास्थ्य जाँच शिविर= में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं बड़ी संख्या में आमजनों के द्वारा अपने स्वास्थ्य की जांच / परीक्षण कराया गया और बहुतायत संख्या में लोग लाभान्वित हुए हैं।उक्त आयोजित नेशनल लोक अदालत में गुरुद्वारा शहीद बाबादीप सिंह व श्री गुरुसिंह सभा गुरुद्वारा के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में निःशुल्क भोजन की व्यवस्था किया गया था जहां बहुतायत संख्या में लोगों के द्वारा निःशुल्क भोजन ग्रहण किया गया। इसके अलावा केन्द्रीय जेल दुर्ग द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों द्वारा निर्मित =जेल उत्पाद= की प्रदर्शनी विक्रय हेतु लगायी गयी थी जिसे उपस्थितजनों द्वारा काफी सराहा गया।

वर्ष 2026 के द्वितीय नेशनल लोक अदालत में कुल 17906 न्यायलयीन प्रकरण तथा कुल 775129 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकृत हुए जिनमें कुल समझौता राशि 521467009.16 रूपये रहा। इनमें बैंक के प्रीलिटिगेशन के कुल 4971, विद्युत के कुल 2887 एवं दूरभाष के 355 मामले निराकृत हुए जिनमें कुल समझौता राशि लगभग 7078899/- रही है। इसी क्रम में लंबित निराकृत हुए प्रकरण में 511 दाण्डिक प्रकरण, क्लेम के 42 प्रकरण, पारिवारिक मामलें के 111 चेक अनादरण के 381 मामलें, व्यवहार वाद के 41 मामलें, श्रम न्यायालय के कुल 05 मामलें तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाऐं) दुर्ग के कुल 8118 मामलें निराकृत हुए।उक्त नेशनल लोक अदालत में निराकृत मामलों के कुछ महत्वपूर्ण प्रकरण निम्नानुसार रहे :-मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के तहत आवेदक के पक्ष में 180000/- का अवार्ड पारित

मामला श्री शेख अशरफ माननीय खण्डपीठ क. 01/ न्यायालय प्रथम मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जिला दुर्ग छ.ग. का है। जिसमें आवेदक सुनील कुमार ईलमकार जो कि एस.आई. आर्म्स के पद पर बीजापुर में पदस्थ है। आवेदक को दिनांक 14.07.2025 को वाहन बस क्रमांक सी.जी.07 सी.क्यू. 4300 के चालक सत्येन्द्र अनावेदक द्वारा वाहन को तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर दुर्घटना कारित करने से आवेदक को उपहति कारित हुई और उसके द्वारा न्यायालय क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने धारा 164 मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया।संबंधित मामला आज नेशनल लोक अदालत में रखा गया। चूंकि बीजापुर में एस.आई. आर्म्स के पद पर पदस्थ है। उक्त स्थिति में आवेदक से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संपर्क कर मामलें में चर्चा कर समझाईश दी गई। राजीनामा के आधार पर उभय पक्ष को सुना जाकर प्रकरण का निराकरण करते हुए आवेदक के पक्ष में 180000/- रूपये का अवार्ड पारित किया गया। मामला खंडपीठ क. 11 के पीठासीन अधिकारी श्री भूपेश कुमार बसंत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दुर्ग के खण्डपीठ का ही है। जिसमें थाना सुपेला अंतर्गत प्रार्थिया लक्ष्मी ठाकुर ने आरोपी नारायण ठाकुर के विरूद्ध विवाद होने से गाली-गलौच मारपीट, जान से मारने की धमकी देने से मामला पंजीबद्ध हुआ तथा प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत होने पर 09 मई 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में दोनों पक्षकार के उपस्थित होने पर उभयपक्ष को समझाईश दी गई। उभयपक्ष द्वारा बिना किसी डर दबाव के आपसी राजीनामा कर मामला समाप्त किया गया।

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपराधिक मामले में राजीनामा-मामला खंडपीठ क्र. 12 के पीठासीन अधिकारी श्री भगवान दास पनिका न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दुर्ग के खण्डपीठ/न्यायालय का है। जिसमें प्रार्थी सागर के द्वारा भिलाई नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि आरोपी विनय, सन्नी एवं सन्नी उर्फ सुखविंदर द्वारा पुरानी बात को लेकर हाथ मुक्का एवं डण्डा से मारपीट कर अश्लील गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट किया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध कायम कर मामला विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आहत सागर का डॉक्टरी मुलाहिजा कराया गया। प्रार्थी के शिकायत के आधार पर थाना भिलाई नगर में धारा 294,506 बी, 323/34 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध हुआ। उक्त मामला न्यायालय में प्रस्तुत होने पर संबंधित मामला आज नेशनल लोक अदालत में सुनवाई पर लिया गया। संबंधित मामले में प्रार्थी/आहत के जिला जेल बेमेतरा में निरूद्ध होने से वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रार्थी से संपर्क कर चर्चा करते हुए मामले में समझाईश दी गई। समझाईश उपरांत प्रार्थी एवं आरोपीगण उभयपक्षों के द्वारा बिना किसी डर दबाव के समझौता कर आपसी राजीनामा से प्रकरण आगे नहीं चलाना व्यक्त कर मामला समाप्त किया गया।

भिलाई में 'अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर' का शुभारंभ

महिलाओं को मिलेगी एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं

दुर्ग। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में भिलाई नगर में आज 'अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर' का भव्य शुभारंभ किया गया। इस सेंटर का उद्घाटन वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन के द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक श्री सेन ने कहा कि यह सेंटर भिलाई-दुर्ग क्षेत्र की महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करेगा। अब किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन हिंसा या अन्य किसी भी संकट से पीड़ित महिला को भटकना नहीं पड़ेगा। समारोह में अवगत कराया गया कि 'सखी वन स्टॉप सेंटर' हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे पुलिस सहायता, कानूनी सलाह, चिकित्सा सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं 5 दिन तक का अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराने हेतु स्थापित किया गया है। यहां हेल्पलाइन नंबर 181 से संपर्क कर सकते हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल परिसर फरीद नगर थाना सुपेला भिलाई, जिला-दुर्ग में पीड़ित महिला को 24×7 निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आर के जांबुलकर, परियोजना अधिकारी श्रीमती अनीता सिंग, भिलाई की केंद्र प्रशासक श्रीमती कविता बघेल, दुर्ग की केंद्र प्रशासक श्रीमति अवंती साहू, चाईल्ड लाइन के परियोजना समन्वयक श्री चंद्रप्रकाश पटेल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं पुलिस विभाग, सखी सेंटर के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे तथा शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि आस-पास कोई महिला संकट में हो तो तुरंत सखी सेंटर या हेल्पलाइन 181 पर सूचना दें। एक कॉल किसी की जिंदगी बचा सकती है।

आईपीएल में विराट और टीम का परंपरागत

माड़िया नृत्य से स्वागत किया रिखी ने

भिलाई। प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक और लोककलाकार रिखी क्षत्रिय और उनके समूह ने शुक्रवार 08 मई को राजधानी रायपुर में आईपीएल क्रिकेट खेलने पहुंचे खिलाड़ियों का परंपरागत छत्तीसगढ़िया रंग के साथ स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि आईपीएल के मुकाबले 10 और 13 मई को राजधानी रायपुर में होने जा रहे हैं। जिसमें 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा। वहीं 13 मई को आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला होगा। देश के प्रमुख क्रिकटरों और देश-विदेश के क्रिकेट प्रेमियों की मौजूदगी को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग की ओर से अतिथियों के स्वागत की जिम्मेदारी लोक कलाकार रिखी क्षत्रिय एवं उनके समूह को दी गई थी। शुक्रवार 08 मई को दोपहर बाद जैसे ही विराट कोहली और आरसीबी टीम के खिलाड़ी पहुंचे, रिखी क्षत्रिय और उनके समूह ने 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' के नारों के बीच सभी का स्वागत बस्तर के परंपरागत गौर माड़िया नृत्य से किया। इस दौरान रिखी क्षत्रिय के समूह में जया ठाकुर, नेहा देवांगन, सीमा विश्वकर्मा, हेमा, चंचल, लीना ध्रुव, प्रमोद ठाकुर, सुनील, रंजीत ठाकुर, वेन, संजीव कुमार, भीमेश, प्रदीप और हुलसी शामिल थे।

प्रदर्शनी में क्रिकेटरों को दिखा रहे छत्तीसगढ़ी संस्कृति

लोकवाद्य संग्राहक और लोककलाकार रिखी क्षत्रिय को आईपीएल के दौरान पहुंचने वाले क्रिकेटरों को छत्तीसगढ़ी संस्कृति के विविध आयाम दिखाने का जिम्मा भी दिया गया है। रिखी क्षत्रिय ने यहां मैच के दौरान परम्परागत दुर्लभ वाद्य यंत्र , आदिवासी गहने,आदिवासी पेंटिंग , टेराकोटा, बेलमेटल, लकड़ी और मिट्?टी की कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई है। जिसमें रिखी क्षत्रिय द्वारा विगत 5 दशक में खोजे गए दुर्लभ परंपरागत वाद्य यंत्र मुख्य आकर्षण होंगे। वह प्रदर्शनी राजधानी के एक प्रमुख आलीशान होटल में लगाई जा रही है, जिससे वहां ठहरे हुए सभी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ी संस्कृति को समझ सकें।

कमलेश को मिला राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मान

भिलाई। बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र भोपाल के तत्वावधान में सत्रहवां वार्षिक आयोजन व बाल साहित्यकार सम्मान समारोह का वृहद व भव्य आयोजन हाल ही में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में पन्नालाल शर्मा बाल साहित्यकार सम्मान दुर्ग छत्तीसगढ़ के कवि व बहुचर्चित बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कमलेश चंद्राकर के सचित्र व रंगीन पांच बालगीत संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं प्रत्येक कृति में साहित्य के विद्वानों के मानीखेज विचार व विश्लेषण भी समादृत है। कई कृतियां अभी प्रकाशनाधीन है। गरिमामंडित राष्ट्रीय स्तर के बाल साहित्य सम्मान समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ. कुमकुम गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मनोहर मतलानी थे। सारस्वत अतिथि योग, आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा व विशेष अतिथि प्रो. सौरभ प्रकाश की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम का सफल संचालन मधुलता शर्मा ने किया। इस समूचे आयोजन के सूत्रधार केंद्र के निदेशक महेश सक्सेना विगत सत्रह वर्षों से बाल साहित्य के सर्वांगीण विकास, संरक्षण व संवर्धन के लिए पूर्णतः समर्पित है, प्रतिबद्ध हैं। यह एक विशेष उल्लेखनीय व अनुकरणीय आयोजन था जिसे उसके प्रभाव ने अविस्मरणीय बना दिया।

वार्ड क्रमांक 47 रायपुर नाका क्षेत्रवासियों ने महापौर से मुलाकात कर जताया आभार,

जनहित मांग को गंभीरता से उठाने पर नागरिकों ने दिया महापौर को धन्यवाद,

दुर्ग। नगर पालिक निगम।अंडर ब्रिज निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाए जाने पर वार्ड 47 क्षेत्र के पार्षद एवं नागरिकों ने महापौर श्रीमती अलका बाघमार से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि जनसुविधाओं एवं आवागमन की समस्या को लेकर महापौर द्वारा गंभीर पहल किए जाने से क्षेत्रवासियों में सकारात्मक माहौल है तथा लोगों को बेहतर समाधान की उम्मीद जगी है।आपको बता दे कि अंडर ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर महापौर ने की मंत्री से मुलाकातमहापौर श्रीमती अलका बाघमार ने पिछले दिनों दिनांक 22 अप्रैल को उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव से सौजन्य मुलाकात कर वार्ड क्रमांक 47 रायपुर नाका/भिलाई हुडको जाने वाले मार्ग पर अंडर ब्रिज निर्माण की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर अंडर ब्रिज बनने से दुर्गङ्कभिलाई क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा वार्ड क्रमांक 47 रायपुर नाका सिविल लाइन (उत्तर) क्षेत्र में दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्र को बेहतर आवागमन सुविधा से जोड़ने हेतु बीआईटी कॉलेज से बत्तीस बंगला तक अंडर ब्रिज निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि वर्तमान में इस मार्ग पर केवल रेलवे ओव्हर ब्रिज के माध्यम से ही आवागमन संभव है, जिससे आम नागरिकों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।विद्यार्थियों एवं राहगीरों को हो रही परेशानी पैदल, साइकिल एवं रिक्शा चालकों के लिए सुरक्षित मार्ग की आवश्यकता- क्षेत्रीय नागरिकों के अनुसार इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली एवं कॉलेज छात्र-छात्राएं, पैदल यात्री, साइकिल एवं रिक्शा चालक आवाजाही करते हैं। वैकल्पिक सुगम मार्ग नहीं होने के कारण लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय एवं श्रम दोनों प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बीआईटी कॉलेज से बत्तीस बंगला मार्ग तक अंडर ब्रिज का निर्माण होने से दुर्ग एवं भिलाई क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा तथा यातायात व्यवस्था भी अधिक सुगम एवं सुरक्षित हो सकेगी।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से की आवश्यक पहल की मांगअंडर ब्रिज निर्माण से आवागमन होगा आसाननागरिकों ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि दुर्गङ्कभिलाई क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए अंडर ब्रिज निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में निगम की पहल, बारिश पूर्व संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश,

बारिश से पहले जलभराव रोकने निगम सक्रिय, लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने जनप्रतिनिधियों के साथ किया नाला निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देश पर शहर में वर्षा ऋतु के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु निगम प्रशासन द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों के साथ दुर्ग जेल तिराहा के बाजू मालवीय नगर जाने वाले मुख्य नाले का निरीक्षण किया।इस दौरान पार्षद संजय अग्रवाल,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उप अभियंता करण यादव,गुड्डू यादव,रामलाल भट्ट सहित टीम मौजूद रही।निरीक्षण के दौरान नाले की सफाई व्यवस्था, जल निकासी की स्थिति तथा बरसात के समय पानी के बहाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रभारी श्री चन्द्राकर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 29, 40 एवं 45 के कई क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित होती रही है, जिससे नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के स्थायी निदान के लिए पूर्व तैयारी के तहत निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

जेसीबी से कराई गई नालों की विशेष सफाई जमा मलमा हटाकर जल निकासी व्यवस्था बनाई जा रही बेहतर-लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने निरीक्षण के दौरान मौके पर ही सफाई अमले को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जेसीबी मशीन की सहायता से नालियों एवं बड़े नालों की सफाई करवाई। जहां-जहां भारी मात्रा में मलमा एवं गाद जमा था, वहां खुदाई कर उसे बाहर निकलवाया गया ताकि पानी का बहाव बाधित न हो।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा प्रारंभ होने से पहले सभी प्रमुख नालों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई पूर्ण कर ली जाए, जिससे नागरिकों को जलभराव एवं आवागमन की समस्या का सामना न करना पड़े।

गौरव पथ क्षेत्र की जलभराव समस्या के समाधान की पहल- नाले के बहाव को मालवीय नगर नाले की ओर मोड़ने की तैयारी, निरीक्षण के दौरान गौरव पथ क्षेत्र में हर वर्ष होने वाली जलभराव की समस्या पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। लोक कर्म प्रभारी श्री चन्द्राकर ने बताया कि इस समस्या के समाधान हेतु संबंधित नाले की बेहतर सफाई कर उसके जल प्रवाह को मालवीय नगर नाले की दिशा में व्यवस्थित रूप से मोड़ा जा रहा है, जिससे बारिश के समय पानी का तेजी से निकास हो सके। उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन शहरवासियों को राहत प्रदान करने के लिए लगातार मैदानी स्तर पर कार्य कर रहा है और जहां भी जलभराव की संभावना है, वहां पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जा रही है।

नागरिकों को राहत देना निगम की प्राथमिकता बारिश पूर्व सभी संवेदनशील क्षेत्रों में होगा निरीक्षण-लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों को स्वच्छ एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराना है। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से बचाव के लिए सभी संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि नालियों में कचरा न डालें तथा शहर को स्वच्छ बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com